www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhubpl1@yahoo.co.in

देशबन्धु

वर्ष – 34 । अंक – 271 । भोपाल, शनिवार 30 सितंबर 2023 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 3.00 रुपए

गणेश विसर्जन चल समारोह मे युवक की पीट-पीटकर हत्या पृष्ठ 3

- वैचारिक गिरावट की ओर तेजी से दौड़ती भाजपा
- महिला आरक्षण विधेयक : शकुनि का पांसा

पृष्ठ 4

- हरदा का कोई भी गांव नहीं रहेगा असिंचित : शिवराज

पृष्ठ 6

जिसके पास रहने की जमीन नहीं, उन्हें पट्टा दिया जाएगा पृष्ठ 8

सार-समाचार

पिछड़े प्रखंडों के लिए संकल्प सप्ताह का शुभारंभ करेंगे मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को सुबह दस बजे यहां भारत मंडपम में देश में आकांक्षी ब्लॉकों के लिए सप्ताह भर चलने वाले विशिष्ट कार्यक्रम संकल्प सप्ताह का शुभारंभ करेंगे। संकल्प सप्ताह आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन से जुड़ा है। राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम इसी वर्ष सात जनवरी को मोदी द्वारा शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए ब्लॉक स्तर पर संचालन व्यवस्था में सुधार करना है। इसे देश के 329 जिलों के 500 आकांक्षी ब्लॉकों में लागू किया जा रहा है।

दिल्ली में ज्वेलरी चोरी के आरोपी छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार

दुर्ग, एजेंसी। दिल्ली की ज्वेलरी शॉप से 20 करोड़ की चोरी करने वाले दो आरोपी छत्तीसगढ़ से पकड़े गए हैं। पुलिस ने भिलाई के स्मृति नगर में छापा मारकर एक घर से 18.5 किलो सोने की ज्वेलरी जब्त की। इसकी कीमत करीब 10 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। मामले में दो आरोपी लोकेश श्रीवास और शिवा चंद्रवंशी को अरेस्ट किया गया है। आरोपी लोकेश सलून में काम करता था। उसका सपना है कि वो सोने की कैंची, सोने की कंघी और सोने के उस्तरे से पीएम नरेंद्र मोदी के बाल काटे। लोकेश दिल्ली में चोरी के बाद प्लास्टिक सर्जरी करवाकर पहचान भी बदलने वाला था। पुलिस ने आरोपी की बाइक की डिग्गी से 10 लाख कैश समेत एक थार कार भी बरामद की है। 10 ग्राम (एक तोला) सोने की कीमत करीब 60 हजार रुपए है। इस लिहाज से 18.5 किलो सोने के जेवर की कीमत 11 करोड़ रुपए होती है।

गुजरात में बजरंग दल की शौर्य यात्रा पर पथराव

नर्मदा/गुजरात, एजेंसी। गुजरात के नर्मदा जिले में शुक्रवार दोपहर सांप्रदायिक तनाव उत्पन्न हो गया। यहां सेलांबा इलाके में बजरंग दल की शौर्य यात्रा पर हमले के बाद जमकर हिंसा हुई, जिसमें पांच लोग घायल हो गए। पथराव के बाद आगजनी भी हुई। पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागकर हालात को काबू में किया। सेलांबा में शुक्रवार सुबह गणेश विसर्जन के बाद बजरंग दल की ओर से जागरण शौर्य यात्रा निकाली जा रही थी। इसी दौरान जब यात्रा मुस्लिम इलाके से निकली तो कुछ उपद्रवियों ने यात्रा पर पथराव कर दिया। यात्रा में कम संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे, जो भीड़ को नियंत्रित नहीं कर सके। इसके बाद मौके पर पहुंचे पुलिस बल ने उपद्रवियों को नियंत्रित किया।

भारतीय सेना 4 सौ हॉवित्जर तोप खरीदेगी

नई दिल्ली,एजेंसी। सोना ने रक्षा मंत्रालय को 400 हॉवित्जर तोप खरीदने का प्रस्ताव भेजा है। इस पर 6 हजार 500 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। पूरी तरह से स्वदेशी इन तोपों का निर्माण डिफेंस रिसर्च एंड डेवलेपमेंट ऑर्गेनाइजेशन ने किया है। सेना से जुड़े एक सीनियर अफसर ने बताया कि, सरकार जल्द ही एक हाई लेवल बुलाने वाली है, जिसमें हॉवित्जर तोपों की खरीदी पर फैसला लिया जाएगा। यह तोप पुरानी तोपों से काफी हल्की है। इस तोप से दागे जाने वाले गोलों की रेंज 48 किलोमीटर है, जबकि उसी गोले को बोफोर्स तोप 32 किलोमीटर दूर तक दाग सकती है। ये 155 एमएम की कैटेगरी में दुनिया में सबसे ज्यादा दूरी तक गोले दागने में सक्षम है। यह तोप-30 डिग्री सेल्सियस से लेकर 75 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर सटीक फायर कर सकती है।

सरकार घोटालेबाजों से युद्ध कर रही : रेड्डी

विजयवाड़ा, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने शुक्रवार को विभिन्न घोटालों में कथित संलिप्तता को लेकर विपक्षी तेलुगु देशम पार्टी नेताओं की आलोचना की। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार घोटालेबाजों के साथ युद्ध लड़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बिना किसी पक्षपात के कल्याणकारी योजनाएं लागू करने वाली सरकार और अपने शासनकाल के दौरान कौशल विकास घोटाला, इनर रिंग रोड घोटाला, फाइबर ग्रिड घोटाला और आवंटित भूमि घोटाला करने वाले विपक्ष के बीच की लड़ाई है। सीएम जगन मोहन रेड्डी ने टिप्पणी की कि यह उस सरकार के बीच लड़ाई है, जिसने कमजोर वर्गों को 30,76,000 गृह स्थल पट्टे दिए और विपक्षी दल जिसने इसका विरोध किया और जनसांख्यिकीय असंतुलन का हवाला देते हुए अदालतों का रुख किया। सीएम ने इसे गरीब समर्थक सरकार, पूंजीपतियों के बीच युद्ध और सत्तारूढ़ दल के बीच युद्ध बताया जो चाहता है कि कल्याणकारी योजनाएं जारी रहें ।

ईद मिलादुन नबी मनाने के लिए एकत्र हो रहे थे लोग, मस्जिद में हुआ धमाका

पाक के बलूचिस्तान में बम विस्फोट, 55 की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसियां। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में शुक्रवार को एक मस्जिद के पास एक शक्तिशाली बम विस्फोट हुआ। इसमें कम से कम 55 लोग मारे गए और 100 अन्य घायल हो गए। हालांकि, मरने वालों की संख्या बढ़ भी सकती है। विस्फोट उस वक्त हुआ, जब पैगंबर मुहम्मद के जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए लोग एक रैली के लिए इकट्ठा हुए थे। विस्फोट मस्तुंग जिले में हुआ।

एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट उस मस्जिद के पास हुआ, जहां लोग पैगंबर मुहम्मद के जन्मदिन ईद मिलादुन नबी मनाने के लिए एकत्र हो रहे थे। मस्तुंग के सहायक आयुक्त अत्ता उल मुनीम के मुताबिक, विस्फोट काफी ज्यादा तीव्रता का था। यह मदीना मस्जिद के पास हुआ। स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) जावेद लेहरी ने कहा कि घायलों को एक चिकित्सा सुविधा में स्थानांतरित किया जा रहा है, जबकि अस्पतालों में आपातकाल लागू कर दिया गया है। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर है। इस बीच खैबर पख्तूनख्वा के हंगू में दोआबा पुलिस स्टेशन के पास एक मस्जिद के अंदर विस्फोट हुआ।

इस दौरान कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हो गए। विस्फोट से मस्जिद की छत ढह गई। लगभग 30 से 40 लोगों के मलबे में फंसे होने की सूचना है। शवों और घायल व्यक्तियों को निकालने के लिए भारी मशीनरी बुलाई गई है। दोआबा पुलिस थाने के प्रभारी शाहराज खान ने बताया कि विस्फोट हंगू जिले की मस्जिद में हुआ। जब विस्फोट हुआ उस समय जुमे की नमाज पढ़ी जा रही थी। विस्फोट के समय मस्जिद में 30 से 40 नमाजी मौजूद थे। हाल ही में बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले में एक विस्फोट में जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) नेता हाफिज हमदुल्ला सहित 11 लोग घायल हो गए थे। इससे पहले पाकिस्तान के पेशावर में एक विस्फोट में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) के एक अधिकारी की मौत हो गई थी और दो नागरिकों सहित आठ अन्य घायल हो गए थे। वारसाक के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मोहम्मद अरशद खान ने पुष्टि की कि सुबह करीब 10:30 बजे (स्थानीय समय) हमले में खैबर पख्तूनख्वा एफसी की मोहमंद राइफल्स रेजिमेंट के एक वाहन को निशाना बनाया गया। वाहन माचनी से पेशावर की ओर जा रहा था, जब विस्फोट हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) का एक अधिकारी मारा गया और छह एफसी अधिकारी और दो लोग घायल भी हुए।

चल समारोह पर पथराव, 8 पुलिसकर्मियों समेत कई घायल

2 की हालत गंभीर, इलाके में तनाव व्याप्त

धार, देशबन्धु। धार जिले के कुक्षी में गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात अनंत चतुर्दशी पर्व पर निकाले जा रहे गणेश विसर्जन की झांकियां के चल समारोह पर बड़पुरा इलाके में अचानक पथराव होने से 8 पुलिसकर्मियों से सहित कई लोग घायल हो गए।

घटना में घायलों को कुक्षी के स्वास्थ केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। जिनमें 2 की हालत नाजुक होने के कारण उन्हें बड़वानी जिला अस्पताल में रेफर किया गया है। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव के हालात निर्मित हो गए। जानकारी के मुताबिक अनंत चतुर्दशी होने के कारण गणेश विसर्जन के लिए झांकिया निकाली जा रही थीं, झांकियों का यह चल समारोह जैसे ही शहर के बड़पुरा इलाके से गुजरा, जुलूस पर असमाजिक तत्वों ने पथराव शुरू कर दिया। जिसके बाद वहां भगदड़ मच गई। वहीं चल समारोह में शामिल भीड़ ने इस दौरान अनेक वाहनों में तोड़फोड़ की। पुलिस ने सूझबूझ का परिचय देते हुए बिना बल प्रयोग किए स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। हालांकि घटना के बाद इलाके में भारी तनाव है और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। शुक्रवार को भी शहर में हालात तनावपूर्ण लेकिन सामान्य रहे। पुलिस इस मामले में बेहद अहतियात बरत रही है।

हर परिवार के एक व्यक्ति को रोजगार दिया जाएगा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जितनी कठिनाई जिंदगी में होगी सब दूर करूंगा। हर परिवार के एक व्यक्ति को रोजगार दिया जाएगा ताकि पलायन न करना पड़े। चाहे स्व-सहायता समूहों के माध्यम से, उदयम क्रांति योजना या सरकारी नौकरियों के माध्यम से हो हर परिवार के एक व्यक्ति को रोजगार दिया जायेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि अलीराजपुर में कृषि महाविद्यालय खोला जाएगा। जिले के सभी गांवों और खेतों में सिंचाई का पानी पहुँचाया जाएगा। अलीराजपुर में बायपास रोड बनाया जाएगा। बिजली का सब स्टेशन भी बनवाएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान अलीराजपुर में 905.46 करोड़ रुपए की माइक्रो उद्धवहन सिंचाई परियोजना का लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर क्षेत्रीय सांसद और जन-प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नर्मदा मैया का पानी खेतों में लेकर आया हूँ। पानी आने से खेतों में फसलें लहलहाएंगी। परियोजना से अभी 126 गांवों में सिंचाई हो रही है। आगे चलकर जिले सभी गांवों और खेतों में पानी पहुँचा दिया जाएगा। पाइपलाइन बिछाकर घरों में टोंटी से पानी उपलब्ध कराया जाएगा। नर्मदा का पानी ग्रामीणों की जिंदगी बदलेगा। किसानों को एक हजार रुपए हर महीना मिल रहा है। पीएम सम्मान निधि में 6 हजार रुपए और इतने ही रुपए राज्य सरकार दे रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारी सरकार ने अलीराजपुर को जिला बनाया है, साथ ही सड़क, बिजली, स्कूल-कॉलेज की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मैं सरकार नहीं परिवार चला रहा हूँ। मैं बहनों का भाई, बेटा-बेटियों का मामा हूँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि परिवार के लिए जो करना चाहिए वह करने की कोशिश करता रहूँगा। मैं बहनों की तकलीफें दूर कर दूंगा। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना बनाकर हर महीने पैसे डाले जा रहे हैं। लाड़ली बहनों को एक हजार रुपए से शुरू की गई योजना में बढ़ाकर 3 हजार रुपए हर महीने दिए जाएंगे।

राहुल आज कालापीपल में जनसभा को करेंगे संबोधित

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और सासंद राहुल गांधी शनिवार को प्रदेश दौरे पर आ रहे हैं। वह कालापीपल विधानसभा क्षेत्र के पोलायकला में आयोजित एक जनसभा को सम्बोधित करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, संगठन के प्रदेश प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला सहित अन्य वरिष्ठ नेता इस दौरान उनके साथ रहेंगे। यात्रा की तैयारियों को देखने आज प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला पोलायकला गए। वहां उन्होंने कार्यकर्ताओं से चर्चा की और कार्यक्रम के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने बताया कि राहुल सुबह 10 बजकर 40 मिनट पर इंदौर पहुंचेगे। इसके बाद वह हेलीकाप्टर से साढ़े 11 बजे पोलायकला जाएंगे। वह यहां पूर्व मंत्री जीतू पटवारी की अगुआई में मालवांचल में निकाली जा रही जनआक्रोश यात्रा में कुछ देर के लिए शामिल होंगे, इसके बाद राहुल यहां जनसभा को संबोधित करेंगे।

मुआवजा, समर्थन मूल्य व कर्ज माफी की मांग को लेकर केंद्र के खिलाफ खोला मार्चा

- मोहाली में पुलिस से धक्का-मुक्की पर भड़के किसान
- अंबाला में रेल रोको आंदोलन आज
- 20 जगहों पर रेलवे लाईन पर बैठे किसान

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब में मुआवजा, समर्थन मूल्य और कर्ज माफी को लेकर किसानों का आंदोलन जारी है। किसान पंजाब भर में रेलवे लाइनों पर बैठे हुए हैं। रेलवे ट्रैक जाम होने के बाद दिल्ली से अमृतसर, पठानकोट से अमृतसर और पंजाब से चंडीगढ़, जालंधर, लुधियाना से मोगा, फिरोजपुर, फाजिल्का आदि सभी रूट्स पूरी तरह से ठप हैं। इससे 90 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। ट्रेनों का चक्का जाम होने के कारण सैकड़ों यात्री पंजाब के रेलवे स्टेशनों पर फंस गए हैं। शुक्रवार जहां करीब 60 ट्रेनें प्रभावित हुईं। वहीं शुक्रवार 90 से अधिक ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। इनमें से 80 से अधिक ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है।

किसानों ने दिल्ली-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे जाम कर दिया है। किसान मोहाली के लालडू में चंडीगढ़ से अंबाला जाने वाले हाईवे पर धरना लगा कर बैठ गए हैं। इस दौरान किसानों की पुलिस के साथ धक्का-मुक्की भी हुई, जिसके बाद किसान भड़क उठे। पंजाब में गुरुवार से 19 किसान-मजदूर संगठन आंदोलन कर रहे है। प्रधान सुखविंदर सिंह सभरा व महासचिव राणा रणबीर सिंह ने बताया कि अब मोर्चों की गिनती 17 से 20 हो गई है। शुक्रवार को समराला व फरीदकोट में भी रेल रोको आंदोलन शुरू हुआ। वहीं संगठनों ने ऐलान किया है कि शनिवार को अंबाला में भी रेल रोको आंदोलन शुरू होगा। इसके साथ उन्होंने कहा कि 23-24 अक्टूबर को किसानी दशहरा मनाया जाएगा। इस दौरान पूरे देश में मोदी सरकार व कॉर्पोरेट घरानों के पुतले जलाए जाएंगे। 19 जत्थेबंदियों ने 20 जगहों पर रेलवे ट्रैक जाम कर दिया है।

पॉक्सो मामलों में विधि आयोग की केंद्र को सलाह

सहमति से संबंध की उम्र 18 ही रहे

- विधि आयोग ने विभिन्न पहलुओं की गहन पड़ताल के बाद सरकार को सौंपी रिपोर्ट
- पॉक्सो अधिनियम में संशोधन की आवश्यकता पर दिया जोर

नई दिल्ली, एजेंसियां। बच्चों को यौन हिंसा से संरक्षित करने वाले कानून पॉक्सो एक्ट 2012 के विभिन्न पहलुओं की गहन पड़ताल के बाद लॉ कमीशन ने अपनी रिपोर्ट कानून मंत्रालय को सौंप दी है। लॉ कमीशन की बैठक 27 सितम्बर को हुई थी। इसमें आयोग ने कानून की बुनियादी सख्ती बरकरार रखने की हिमायत की है। यानी आपसी सहमति से शारीरिक संबंध बनाने की न्यूनतम उम्र 18 साल बनाए रखने की बात कही गई है। पॉक्सो अधिनियम में संशोधन की आवश्यकता पर भी जोर दिया है।

अभिभावक हथियार की तरह कर रहे इस्तेमाल- हालांकि, इसके दुरुपयोग से जुड़े मामलों को देखते हुए कुछ सेफगार्ड लगाए गए हैं। इस कानून के इस्तेमाल को लेकर कराए गए अध्ययनों से पता चला कि लड़कियों को मर्जी से विवाह करने के फैसले लेने के खिलाफ अभिभावक इसका इस्तेमाल हथियार की तरह कर रहे हैं। सहमति से संबंध रखने वाले कई युवकों को इस कानून का शिकार होना पड़ा है। ऐसे में मांग उठी थी कि, सहमति से संबंध रखने की उम्र घटाई जानी चाहिए।

दोनों की उम्र में 3 साल या अधिक का अंतर तो अपराध ही माना जाए- सूत्रों के अनुसार, जस्टिस ऋतुराज अवस्थी की अध्यक्षता वाले लॉ कमीशन ने यौन संबंध बनाने वाले अवयस्कों के बीच सहमति के बावजूद इस बात पर गौर करने को कहा है कि दोनों की उम्र का अंतर अधिक न हो। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर उम्र का फासला 3 साल या उससे अधिक है तो इसे अपराध की श्रेणी में मानना चाहिए। इसमें कहा गया है कि ई-एफआईआर प्राथमिकी दर्ज करने में देरी के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे से निपटेगी और नागरिकों को वास्तविक समय (रियल टाइम) में अपराधों की रिपोर्ट करने की अनुमति देगी।

ढील देने के बजाय बेजा इस्तेमाल रोका जाए- आयोग ने उम्र के प्रावधान को 18 ही रखने की सिफारिश करते हुए रिपोर्ट में कई तरह की राहत और अपवाद रखने के सुझाव दिए हैं।

सार समाचार

गायत्री शक्तिपीठ गुना पर शुरू हुआ श्राद्ध तर्पण

गुना, देशबन्धु। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा गायत्री शक्तिपीठ गुना पर पितृ पक्ष में श्राद्ध तर्पण सुबह साढ़े 8 बजे से प्रतिदिन किया जा रहा है। श्रद्धा पक्ष की शुरूआत शुक्रवार से आरंभ होने पर पहले शक्तिपीठ पर स्थानीय ट्रस्टीजनों द्वारा तर्पण किया गया। शक्तिपीठ ने शहर वासियों से निवेदन किया है कि वह अपने पूर्वजों के पितृपक्ष श्राद्ध तर्पण करने के लिए गायत्री शक्तिपीठ पर करा सकते हैं। शक्तिपीठ के मीडिया प्रभारी सुनील सेन ने बताया कि पितृ पक्ष 15 दिन का होता है। इसमें प्रतिदिन श्राद्ध तर्पण किया जाता है। श्राद्ध संस्कार मरणोत्र के अतिरिक्त पितृपक्ष में जीवात्माओं की शांति के लिए तीर्थों में श्राद्ध कर्म का विधान है। गायत्री शक्तिपीठ परिजनों ने सभी शहर वासियों से निवेदन किया है कि वह अपने पूर्वजों के पितृपक्ष श्राद्ध तर्पण करने के लिए गायत्री शक्तिपीठ पर अवश्य आएं। शक्तिपीठ द्वारा तर्पण की ि:शुल्क व्यवस्था की गई है। जिसमें गुरुवार को पूर्वजों के पितृपक्ष श्राद्ध तर्पण कर एव पिण्ड दान सामूहिक रूप से किया जाएगा।

उज्जैन दुष्कर्म कांड के आरोपी पर हो सख्त कार्यवाई, छात्रों की मांग

गुना, देशबन्धु। छात्र संगठन डीएसओ द्वारा शुक्रवार को मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को उज्जैन में 12 साल की बच्ची के साथ हुई दुष्कर्म की जघन्य घटना के दोषियों को कड़ी सजा देने व नशा अश्लीलता पर रोक लगाने की मांग पर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से डीएसओ की जिलाध्यक्ष शोभना श्रीवास्तव ने बताया कि हाल ही में उज्जैन में 12 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है।

पत्र पत्रिकाओं में मोटे अक्षरों में खबर छपी हैं कि हम शर्मिंदा हैं। एक तरफ भाजपा सरकार बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, लाडली बहना के नाम पर बड़े-बड़े दावे कर रही है। दूसरी तरफ आपकी सरकार महिलाओं बच्चियों पर हो रहे अपराधों पर रोक लगाने में न सिर्फ नाकाम साबित हो रही है। इसके खिलाफ में छात्र संगठन डीएसओ ने राज्य व्यापी विरोध दिवस पर सरकार से मांग कि उज्जैन में जो घटना हुई है उसके दोषियों को तुरन्त गिरफ्तार किया जाए व फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से तुरन्त सख्त सजा दी जाए।

बच्ची की देखरेख, इलाज, शिक्षा दीक्षा, लालन पालन की सारी जिम्मेदारी सरकार उठाए। प्रदेश में शराब , नशा व अश्लीलता पर रोक लगाई जाए। साथ ही गुना जिला पीजी कॉलेज की छात्राओं ने भी मांग की कि कॉलेज में लड़कियों के साथ लगातार छेडख़ानी, सिटी बजाने, लड़कियों को देखकर गाना गाने की घटनाएं सामने आ रही हैं इन पर भी रोक लगाना चाहिए। ज्ञापन में बड़ी संख्या में छात्र छात्रा शामिल हुए।

पार्षद, सीएमओ, नेता प्रतिपक्ष के बाद एसडीएम के हस्तक्षेप से भी नहीं बनी बात

सफाईकर्मियों की हड़ताल से सफाई व्यवस्था ठप्प

गुना, देशबन्धु। शहर में सफाईकर्मियों की हड़ताल के चलते सफाई व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई है और जगह-जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ है। वहीं अब आलम यह हैं कि पिछले चार-पांच दिनों से शहर के मुख्य मार्गों से ही कचरा नहीं हटा है। इधर शहर में गंदगी होने से लोगों को डेंगू फैलने डर सता रहा है।

अगर जल्दी ही सफाई व्यवस्था शुरू नहीं की गई, तो शहर में कई बीमारियां अपने पैर पसार सकती हैं। दरअसल नगर पालिका के सफाईकर्मी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे गए हैं। जिसके बाद से सफाई व्यवस्था ठप हो गई और शहर के मुख्य मार्गों से लेकर कालोनियों तक जगह-जगह कचरे के ढ़ेर गलए गए हैं। शुक्रवार को एसडीएम ने सफाईकर्मी संगठन के पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल से बात की। लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। दरअसल पिछले चार दिनों से शहर के सफाई कर्मचारी नगर पालिका के मुख्य गेट पर हनुमान चौराहे पर अपना डेरा डाले हुए हैं। अपनी मांगों को लेकर

सफाईकर्मी हड़ताल पर हैं, वहीं दूसरी ओर शहर में सफाई न होने से गंदगी का अंबार लगने जा रहा है। ऐसे में शुक्रवार को धरना प्रदर्शन पर पार्षद दिनेश शर्मा, सीएमओ एवं नगर पालिका प्रतिपक्ष शेखर वशिष्ट समझाईश देने पहुंचे। लेकिन सफाई कर्मचारियों ने उनकी बात नहीं मानी। जिसके बाद एसडीएम ने मोर्चा संभाला। पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे एसडीएम ने बंद कमरे में सफाई कर्मचारियों के पांच सदस्यों को बुलाया और बातचीत की। इस दौरान मीडिया को दूर रखा। आधे घंटे तक चली बैठक में सफाई कर्मचारी संगठन और प्रशासन के बीच कोई सहमति नहीं बन सकी। इधर बैठक से बाहर निकलकर सफाई कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि मंडल ने प्रशासन पर हड़ताल तोडऩे का दबाव बनाने का आरोप लगाया। इस मौके पर सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर मौन रैली निकाली।

सफाईकर्मियों की है ये मांगे

सफाई कर्मचारी यूनियन द्वारा नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद ठेका प्रथा खत्म करने के साथ ही स्थाई भर्ती, मेडिकल के आधार पर स्वेच्छिक सेवा निवृति, समान पद समान वेतन का लाभ, सेवा में कार्य करते हुए अकस्मात मृत्यु पर अनुकंपा नियुक्ति, सभी सफाई कर्मचारियों को नियमितीकरण कर स्थाईकरण का लाभ देना।

सफाई कामगार का पद सृजन किया जाए व सभी कर्मचारियों को एक समान वेतन 25000 प्रतिमाह भुगतान करने संबंधी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए है, जिससे शहर में सभी जगहों पर कचरा फैलता जा रहा है। इस बारे में सफाईकर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष महेश पारोछिया ने बताया कि 23-24 में दो दिवसीय धरना दिया गया था, जिसमें मांगों का निराकरण नहीं होने से मंगलवार से सभी सफाई कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं।

पोषण माह: महाविद्यालयों में पोषण क्विज का आयोजन

गुना, देशबन्धु। शासकीय महाविद्यालय राघौगढ़ में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं महिला बाल विकास के संयुक्त तत्वावधान में पिरामल फाउंडेशन के सहयोग से पोषण माह के अंतर्गत प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रारंभ में प्राचार्य जवाहरलाल द्विवेदी ने कहा पोषण से व्यक्ति के समग्र शारीरिक और मानसिक विकास संभव होते हैं। कार्यक्रम का संचालन गांधी फेलों से नीरज कुमार एवं दीपक पाठक ने किया। महिला बाल विकास से सीडीपीओ राघौगढ़ प्रीति मौर्या ने अपने उद्बोधन में बालिकाओं से पोषण युक्त भोजन लेने की पुरजोर अपील की। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ.पूनम नामदेव, डॉ रजनी शर्मा, डॉ बृजेंद्र सिंह कुशवाह, डॉ. विजय सिंह कुशवाह, डॉ राजीव कुमार शर्मा रहे। प्रतियोगिता में पांच टीम ने सहभागिता की जिसमें टीम बी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसके सदस्य कल्पना

बुनकर, अरुण, राकेश, अमिता, वेदिका रहे। इसी क्रम में शासकीय कस्तूरबा कन्या महाविघालय में भी शुक्रवार को पोषण क्विज का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की 5 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में टीम बी और सी के बीच टाइब्रेकर दौर तक पहुंची। अंत में टीम बी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम की सदस्य सदस्य मालती कुशवाह, मोनिका योगी, शिवानी योगी, नंदनी भार्गव एवं कांता अहिरवार रहीं। इस अवसर पर पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

रेडक्रास भवन में स्वैच्छिक रक्तदान कल

गुना, देशबन्धु। राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस 1 अक्टूबर को भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा गुना के तत्वाधान में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन रेडक्रास भवन जिला चिकित्सालय परिसर में सुबह 9 बजे से आयोजित किया जायेगा। डॉ.एस.ओ. भोला सिविल सर्जन सह सचिव रेडक्रास ने बताया कि शिविर में 18 से 65 वर्ष आयु वर्ग के स्वस्थ्य लोग स्वैच्छिक रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान शिविर में सामाजिक, स्वैच्छिक संगठनों, नागरिक बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर रक्तदान करने की अपील की गयी है।

12 करोड़ से ज्यादा की लागत से बनने वाले भवन का किया शिलान्यास

युवाओं का कौशल निखारने और रोजगार देने में आईटीआई सर्वश्रेष्ठ : पंचायत मंत्री

गुना, देशबन्धु। प्रदेश सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया ने अपनी गृह विधानसभा में डिग्री कॉलेज की सौग़ात के बाद औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान(आईटीआई) के लिए 12.63 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले भवन का शिलान्यास शुक्रवार को बमौरी विधानसभा के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र ग्राम तिलवाडा में समरोहपूर्वक किया। शुरुआत में इस संस्थान में 60 सीटें बालक और 60 सीटें बालिका समूह के लिए स्वीकृत की गई है। साथ ही छह विभिन्न ट्रेड प्रारंभ में शुरू किए जाएंगे।

पंचायत मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया ने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया में यदि सबसे ज्यादा किसी की मांग है तो कौशल की है। हजारों प्रकार की ऐसी सेवाएँ है, जिनकी लोगों को रोज जरूरत पड़ती है और इसके लिये विशेष कौशल की आवश्यकता होती है, देश में जिस प्रकार की कौशल की आवश्यकता है उसकी आपूर्ति हमारे आईटीआई करते है।इस संस्थान के प्रारंभ होने के बाद यहाँ से प्रशिक्षण

प्राप्त छात्र छात्राओं को सुलभ रोजग़ार प्राप्त हो सकेगा। उन्होंने कहा कि अगर युवाओं के हाथ में हुनर रहेगा तो रोजगार भी आसानी से मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगर हमें बच्चों का भविष्य संवारना है तो वह स्किल के माध्यम से ही होगा।

युवाओं के हाथों में केवल कौशल दे दिया जाएँ तो चमत्कार कर सकते है।बमौरी के युवाओं की सालों से माँग थी कि यहाँ डिग्री कॉलेज बनाना चाहिए तो मैंने बमौरी में महाविद्यालय स्वीकृत करा दिया है जिसका निर्माण भी प्रारंभ हो चुका है,लेकिन क्षेत्र के युवाओं के कौशल विकास और औद्योगिक प्रशिक्षण की मुझे चिंता थी इसलिए मैंने हमारे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से इसकी माँग की और अब उनकी कृपा से बमौरी विधानसभा के लिए आईटीआई स्वीकृत हो गया है जिसका कुछ समय में भवन तैयार हो जायेगा और इसमें कक्षाएँ प्रारंभ हो जायेंगी। बमौरी विधानसभा में पिछले तीन वर्षों में हर क्षेत्र में चाहे वो शिक्षा, स्वास्थ, आवास, सडकें,सिंचाई या विद्युत का क्षेत्र हो यहाँ अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं।अब मेरा अगला लक्ष्य है कि बमौरी विधानसभा में कोई बड़ा उद्योग लगाया जाये जिससे यहाँ के छात्र छात्राओं को रोजग़ार मिल सके और नौकरी के लिए कहीं बाहर न भटकना पड़े।

पड़ोसी ने की मां-बेटी के साथ जमकर मारपीट

गुना, देशबन्धु। कैंट थानांतर्गत पगारा में पड़ोसियों ने मां और दो बेटियों के साथ जमकर मारपीट की। घायल अवस्था में तीनों का जिला अस्पताल के ट्रामा केयर सेंटर में उपचार जारी है। महिलाओं के साथ गंभीर मारपीट होने के बावजूद पुलिस ने मामूली धाराओं में मामला दर्ज किया है। वहीं इस मामले में तीनों घायल महिलाओं ने पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने और उल्टी कार्रवाई का दबाव बनाने का आरोप

लगाया। मामले के अनुसार पगारा निवासी शालू पत्नी कृष्णकुमार चौबे अपने मायके में थी। गत दिवस उसके ससुराल वाले लेने आए थे। तभी पड़ोस में रहने वाले चेनत शर्मा, गुड्डीबाई उर्फ जानकी बाई शर्मा, सुरेन्द्र शर्मा तीनों ने उनके पति और ससुर से चुगली कर शालू से तलाक लेने के लिए भडक़ाने लगे। जिस पर पीड़ित पक्ष की पड़ोसी से मुंहवाद हो गया। शाम को गाड़ी खड़ी करने को लेकर आरोपियों ने शूल उसकी बहन पलक एवं मां मंजू शर्मा के साथ जमकर मारपीट की।

रोमांचक मुकाबले मे आर्यन्स क्लब को मिली जीत

आष्टा, देशबन्धु। स्टार ग्रुप के तत्वाधान में आयोजित फुटबाल टूर्नामेंट सुभाष ग्राउंड पुराना बस स्टैंड पर आयोजित किया रहा है। जिसमें मुकाबला आष्टा ग्रीन और आर्यस क्लब के बीच खेला गया जिसमें आर्यस क्लब 2-1 से विजयी रही। जिसमें मैन मैन ऑफ द मैच बलवीर ठाकुर रहे। मंसूरी समाज के जिला अध्यक्ष जहूर मंसूरी,पत्रकार मोहम्मद सादिक ने खिलाड़ियों से परिचय लेते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं जहूर मंसूरी ने कहा कि खेल को खिलाड़ी भावना से खेलना चाहिए। हार-जीत चलती रहती है। जो हारे वो निराश न हो । लगातार प्रयास करते रहें । एक दिन जीत हासिल होगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष शेख आरिफ एवं शेख अशवाक स्टार गार्डन को अच्छे आयोजन करने पर उन्हे बधाई दी। इस अवसर पर मुख्य रूप से भैया एमपी टूर्नामेंट के अध्यक्ष शेख आरिफ उपाध्यक्ष नफीस काजल सचिव शेख अशवाक स्टार गार्डन,मोहम्मद सादिक, शेख राजा समाजसेवी,पप्पू भाई डिस्क,राजा पठान,सिराज पठान,हाजी इस्तिखार खान,असलम खान,खालिद अंसारी,वसीम पठान मुजाहिद मिर्जा सलमान अली सहित सैकड़ो दर्शक इस खेल को सफल बनाने में देखे गए। अंत मे आभार शेख अशवाक ने व्यक्त किया।

मकान के बंटवारे पर भाई-बहनों के बीच मारपीट

गुना, देशबन्धु। सिटी कोतवाली थानांतर्गत पुरानी छावनी में मकान के हिस्सा बंटवारे को लेकर भाई एवं बहनों में जमकर लात-धूंसे चले। मामले में भाई ने सिटी कोतवाली पहुंचकर अपनी दो बहनों पर मारपीट करने का मामला दर्ज कराया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी नरेश छारी पुत्र रामसेवक छारी निवासी पुरानी छावनी ने पत्नी निशा छारी के साथ कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि गत दिवस रात्रि करीबन 10.30 बजे वह अपने घर पर ही था। तभी उसकी बहन गीता छारी और राधा छारी उससे बोली कि ये घर हमारे मम्मी पापा का है। तू, तेरी पत्नी और बच्चों के साथ इस घर से निकल जा। जिस पर फरियादी ने कहा कि इस घर में मेरा भी हिस्सा है। इसी बात पर दोनों बहनों ने भाई को जमीन पर पटक लाठी-डंडों से मारपीट कर दी। बीच बचाव करने आई पत्नी को भी सिर में चोटें आई हैं।

सिविल अस्पताल में किया जरूरी सुविधाओं और सेवाओं का निरीक्षण

आष्टा, देशबन्धु। सिविल अस्पताल आष्टा में एनक्यूएएस कार्यक्रम का नेशनल असिस्मेंट टीम डॉ. जहांगीर अहमद एवं डॉ. बिंदिया राजपूत द्वारा किया गया। नेशनल असिस्मेंट टीम द्वारा सिविल अस्पताल आष्टा में संचालित 12 विभागों का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। जिसमें एक्सिडेंट एंड इमरजेंसी, ओपीडी, आइपीडी, लेबर रूम, एनबीएसयू, मेटरनिटी ओटी, लेबोरेटरी, रेडियोलाजी, ब्लड स्टोरेज यूनिट, आक्सिलरी सर्विस, जनरल एडमिन एवं फार्मेसी आदि दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की गहन एवं सूक्ष्मता से निरीक्षण किया गया। दल द्वारा निरंतर 26 सितम्बर से 28 सितम्बर तक स्वास्थ्य सेवाओं का सूक्ष्मता से मूल्यांकन करने के पश्चात प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सुधारात्मक सुझाव दिए गए। असिस्मेंट के शुभारम्भ अवसर पर विधायक श्री रघुनाथ सिंह मालवीय, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति हेमकुवंर राय सिंह मेवाड़ा, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दीक्षा सोनू गुणवान, सीएमएचओ डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया उपस्थित थे।

पैसे के लेनदेन को लेकर पत्नी और भाई के साथ मारपीट

गुना, देशबन्धु। सिटी कोतवाली थानांतर्गत कर्नलगंज मं एक महिला के साथ उसके पति ने मारपीट कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादिया आरिफा पत्नी फिरोज खान निवासी मदर मेमोरियल स्कूल के पीछे कर्नलंगज ने अपने देवर शाहरुख खान के साथ सिटी कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि गत रात करीबन 10 बजे वह अपने घर पर थी।

तभी उसका पति फिरोज खान घर पर आया और पैसों की लेनदेन की बात पर से गाली गलोच कर मारपीट शुरू कर दी। आवाज सुनकर देवर शाहरुख खान बीचबचाव करने आया तो उसके साथ भी फिरोज ने मारपीट की। जिससे उसके दोनों हाथों में चोटें आई हैं। पुलिस ने पीड़ित पत्नी की शिकायत पर आरोपी पति पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

शराबी पति ने पत्नी को पीटा

इधर फतेहगढ़ थानांतर्गत पठार मोहल्ला निवासी एक महिला के साथ उसके पति ने शराब के नशे में जमकर मारपीट कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादिया धनसीबाई पत्नी भरत ओढ़ ने अपने देवर कल्याण एवं देवरानी राजी बाई के साथ थाने पहुंचकर शिकायत की कि उसका पति भरत ओढ़ बहुत दारू पीता है। रात 08.30 बजे करीब मेरा पति भरत ओढ़ शराब पीकर आया तो उससे पत्नी ने कहा कि इतनी शराब क्यों पीते हो। इसी बात पर शराबी पति ने गाली गलौंचकर लाठी-डंडों से उसकी मारपीट कर दी। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर शराबी पति पर मामला दर्ज किया है।

पंजाबी महिला समिति ने लगाया नेत्र शिविर

गुना, देशबन्धु। पंजाबी महिला समिति के द्वारा सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसमें शुक्रवार को पंजाबी महिला समिति के द्वारा शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1 में बच्चों के लिए आज नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया यह सेवा सप्ताह 25 सितंबर से शुरू होकर 1 अक्टूबर तक चलेगा। सेवा सप्ताह के दौरान अलग-अलग कार्यक्रम किये जा रहे हैं। बुधवार को समिति की महिलाओं ने ब्यूटिशियन की ट्रेनिंग दी। इससे पहले मंगलवार को विद्यार्थियों को किताबों का वितरण किया गया। आने वाले दिनों में और भी अलग-अलग कार्यक्रम किए जाएंगे। पंजाबी महिला समिति की अध्यक्ष अनुराधा लुम्बा ने बताया यह सेवा समिति है। इन दिनों समिति का सेवा सप्ताह चल रहा है। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को मॉडर्न चिल्ड्रन स्कूल में ड्राइंग और रंगोली प्रतियोगिता कराई गई थी। उसमे 42 बच्चों ने भाग लिया था। दूसरे दिन मंगलवार को आर्य समाज स्कूल में जरूरतमंद विद्यार्थियों को किताबें वितरित

की। वहीं सेवा सप्ताह के तीसरे दिन कस्तूरबा कॉलेज की छात्राओं को सेल्फ ग्रूमिंग की ट्रेनिंग दी गयी। इसमे बताया गया कि वह अपना खुद का मेकअप कैसे कर सकती हैं। इस बारे में उन्हें ट्रेनिंग दी गयी है। यह सेवा सप्ताह सप्ताह आगामी 1 अक्टूबर तक चलेगा। आगामी दिनों में अलग-अलग कार्यक्रम किये जायेंगे। 1 अक्टूबर को पिकनिक के साथ सेवा सप्ताह का समापन होगा।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समिति की सदस्य महिलाएं और कस्तूरबा कॉलेज की छात्राएं शामिल हुईं। इधर लायंस नैत्र चिकित्सालय गुना में 30 सितंबर को रेटिना से सम्बंधित आंखों की जांच की जाएगी। जिसमें डॉ. विनीत गौर रेटिना स्पेशलिस्ट नेत्रिका नेत्रालय भोपाल, लायंस नेत्र चिकित्सालय गुना में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक उपस्थित रहेंगें। जिन मरीजो को आंखो के पर्दे से सम्बधिंत बीमारियां है, तथा उनकी जांच एवं इलाज करवाना चाहते हैं, तो लायंस नेत्र चिकित्सालय गुना में आकर अपनी आंखों की जांच करा सकते है।

वायु सेना का हवाई प्रदर्शन आज

वीआइपी मार्ग पर बंद रहेगा आवागमन

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय वायु सेना का वायु प्रदर्शन कार्यक्रम शनिवार को बोट क्लब पर होगा। इसमें सिर्फ पास धारक दर्शक ही बोट क्लब पर आ सकेंगें। वहीं वीआइपी रोड पर आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में आम लोगों के पहुंचने के कारण सुबह आठ बजे से लेकर कार्यक्रम की समाप्ति तक इस क्षेत्र के आसपास के मार्ग परिवर्तित रहेंगे।

कार्यक्रम के दौरान सुबह से दोपहर दो बजे तक बोट क्लब की ओर पोलिटेक्निक कालेज चौराहा एवं किलोल पार्क से समस्त प्रकार के वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा, केवल आमंत्रित पासधारी ही बोट क्लब की ओर आवागमन कर सकेंगे। वहीं आम जनता को कार्यक्रम देखने के लिये वीआइपी रोड पर रेतघाट से खानूगांव तक व्यवस्था की गई है। ऐसे में लालघाटी से वीआइपी रोड की ओर, कलेक्ट्रेट तिराहा से कोहेफिजा, जीएडी चौराहा से करबला की ओर, किलोल पार्क से वीआइपी रोड की ओर यातायात का आवागमन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। लिहाजा नये भोपाल से वीआइपी रोड, लालघाटी होकर विमानतल जाने वाले वाहन रोशनपुरा से लिली टाकीज चौराहा, तलैया तिराहा, भारत टाकीज, अल्पना तिराहा, हमीदिया रोड़, रायल मार्केट होकर लालघाटी की ओर आ-जा सकेंगे। इसके अलावा एमपी नगर गोविन्दपुरा टर्निंग, पिपलानी चौराहा, रत्नागिरी तिराहा, अयोध्या नगर चौराहा भानपुर चौराहा, करोंद चौराहा से आशाराम तिराहा होकर आ-जा सकेंगें। वहीं नये शहर से इन्दौर की ओर जाने वाले वाहन पोलिटेक्निक चौराहा से भदभदा चौराहा, नीलबड़, रातीबड़ होकर इन्दौर की ओर जा सकेंगे, जबकि डिपो चौराहा, रंगमहल टाकीज चौराहा, रोशनपुरा चौराहा, बाणगंगा चौराहा, मछलीघर तिराहा, केएन प्रधान तिराहा, गांधीपार्क तिराहा, सातवीं वाहिनी मुख्यालय के सामने से पोलिटेक्निक कालेज चौराहा होकर वीआइपी रोड पर जाने वाले समस्त बसें एवं व्यवसायिक लोडिंग वाहन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेंगे। उक्त वाहन रोशनपुरा चौराहा से पुलिस कन्ट्रोल रूम होते हुए, काली मंदिर, तलैया, भारत टाकीज तिराहा, हमीदिया रोड होते हुए आवागमन कर सकेंगे। इसी प्रकार लालघाटी चौराहा से पुराना सचिवालय, रायल मार्केट की तरफ आने वाले समस्त बसें एवं व्यवसायिक लौडिंग वाहन, ट्रैक्टर ट्राली आदि पूर्णत: प्रतिबंधित रहेंगे। अन्य वाहन लालघाटी चौराहा से पुराना सचिवालय, रायल मार्केट, ताजमहल दरवाजा, आदर्श अस्पताल, थाना शाहजानाबाद होते हुए हमीदिया रोड पर आवागमन कर सकेंगें।

वायु सेना की बैंड प्रस्तुति पर जमकर झूमे जनजातीय विद्यार्थी

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय वायु सेना के 91वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को भारतीय वायुसेना बावड़िया कला स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) के सभागार में अपनी बैंड प्रस्तुति दी। भारतीय वायु सेना के बैंड नंबर 5, मुख्यालय मेन्टेनेंस कमांड नागपुर एयरफोर्स से यहां अपनी प्रस्तुति देने पहुंचा। बैंड ने वारंट ऑफिसर दीपक वर्मा और एस. के. तिवारी के निर्देशन में अपनी शानदार प्रस्तुति दी। बैंड ने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत देश के शहीद वीरों को श्रृद्धांजलि व सलामी देते हुए ए वतन, वतन मेरे आबाद रहे तू... गीत के साथ की। इसके बाद सार्जेंट प्रीतम ने फिल्मी गीत जय हो... और सुनो गौर से दुनिया वालों... गाया और बैंड की इन प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद एचएल रावत के निर्देशन में सेक्सोफोन पर आधारित बैड रोमांस की प्रस्तुति दी। साथ ही, बैंड ने 70 और 80 के दशक के फिल्मी गीतों पर आधारित फ्यूजन हिंद-ओल्डीज की प्रस्तुति दी। पुष्पा फिल्म के श्रीवल्ली..., सेन्योरिटा... और लंदन ठुमकदा... और मैं निकला गड्डी लेके.... जैसे कई फिल्मी गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। इन प्रस्तुतियों पर सभागार में उपस्थित सभी विद्यार्थी जमकर झूमे। बैंड ने श्रोताओं को भी एक गीत गाने का प्रस्ताव दिया, जिसमें कबीर तरकशवार ने किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार... गीत गाया। बैंड ने अपनी प्रस्तुति का समापन सारे जहां से अच्छा, हिंदुस्तां हमारा... गीत से किया। इस अवसर पर भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन अमित कुमार पॉल बतौर अतिथि उपस्थित रहे। वहीं जनजातिय विभाग के संभागीय उपायुक्त नरोत्तम सिंह बरकड़े, सहायक आयुक्त सुधीर श्रीवास्तव एवं प्राचार्य डॉ. यशपाल सिंह ने सभी वायु सेना के जवानों का स्वागत किया और उन्हें श्रीमद् भगवत गीता सहित स्मृति चिन्ह भेंट किए। वायु सेना द्वारा विद्यालय में एक स्टॉल भी लगाया, जिसमें जनजातीय विद्यार्थियों को भारतीय वायु सेना में करियर के बारे में जानकारी दी गई।

गणेश विसर्जन चल समारोह मे युवक की पीट-पीटकर हत्या

बदमाशों ने बहन-भांजी से छेड़छाड़ का विरोध करने पर की वारदात

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी भोपाल में गुरुवार-शुक्रवार देर रात श्री गणेश विसर्जन चल समारोह के दौरान तीन बदमाशों ने डंडे और पत्थर से पीट-पीटकर एक युवक की हत्या कर दी। बताया गया है कि युवक ने अपनी बहन और भांजी से छेड़छाड़ करने पर बदमाशों को रोका था। इससे खफा होकर बदमशों ने उसे मौत के घाट उतार दिया। चल समारोह के दौरान भारी भीड़ के बीच हुई इस वारदात ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था की कलई खोल दी है। फिलहाल पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया है। लेकिन आरोपियों की अब तक पहचान नहीं हो सकी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 44 वर्षीय अमित सिरोलिया भारत टॉकीज के पास रहते थे। वे वेल्डिंग का काम करते थे। गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात वे अपनी बहन और भांजी को लेकर भारत टॉकीज ब्रिज के पास चल समारोह देखने गए थे। यहां एक युवक उनकी बहन राखी और भांजी कशिश के पास आकर बैठ गया और उसने अश्लील हरकतें करना शुरू कर दिया। राखी ने विरोध किया तो आरोपी बदसलूकी करने लगा। ये देखकर अमित ने आरोपी को समझाने का प्रयास किया तो उसने झूमा-झटकी शुरू कर दी। इसके साथ ही एक ईंट से अमित के सिर पर वार किया। इसी बीच आरोपी के दो अन्य साथी डंडे लेकर आए और तीनों ने मिलकर अमित और उनकी बहन और भांजी को पीटने लगे। इससे युवतियां तो डरकर दूर हो गई। लेकिन बदमाशों ने फिर पीट-पीटकर अमित हत्या कर दी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए

इधर मृतक अमित के परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए है। जीजा राजकुमार चंदेल ने बताया कि आरोपी शराब के नशे में थे। वे मेरी पत्नी और बेटी से छेड़छाड़ कर रहे थे। अमित ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसकी पीट-पीटकर अमित हत्या कर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के समय मेरी साली मदद मांगने के लिए एक डायल 100 के पास पहुंची थी, जिसमें चालक बैठा था, लेकिन उसने मदद के लिए पुलिसकर्मियों को नहीं बुलाया। बल्कि साली को ही वाहन में बैठा लिया। घटना के बाद पुलिस नहीं आई, हम लोग ने स्वयं थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई

दोबारा घर तक पहुंच गया आरोपी

राजकुमार ने बताया कि हत्याकांड का मुख्य आरोपी अमित को पीटने के बाद पास में स्थित उसके घर तक दोबारा पहुंचा था, जिससे घर में मौजूद महिलाएं घबरा गईं थीं। आरोपी मोहल्ले में जमकर गाली-गलोच कर रहा था। जिसके बाद मोहल्ले के अन्य युवकों से उसका विवाद हुआ था। इसके बाद वह भाग गया।

दस साल पहले हुई थी शादी

बताया गया है कि अमित की शादी दस साल पहले ज्योति से हुई थी। दोनों की कोई संतान नहीं थी। वह भांजी को ही बेटी की तरह मानता था। और उसी की आंखों के सामने उसके मामा की हत्या की गई।

प्रतिभा योजना के आवेदन की अंतिम तिथि आज

भोपाल, देशबन्धु। आदिम जाति कल्याण विभाग के माध्यम से क्रियान्वित योजनाओं के तहत प्रतिभा योजना वर्ष 2022-23 के लिए एमपीटॉस्क पोर्टल पर आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितम्बर नियत की गई है। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग की जिला संयोजक ने बताया कि जिले के अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों को लाभांवित करने हेतु संचालित प्रतिभा योजना का विकेन्द्रीकरण किया गया है जिसके तहत विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि का वितरण जिला स्तर से किया जाएगा। प्रतिभा योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया निर्धारित की गई है जिसके अनुसार आवेदक को एमपीटॉस्क पोर्टल पर आवेदन अंतिम तिथि तक करना अनिवार्य होगा। जिसके अंतर्गत आवेदक को स्कोर कार्ड इंस्टीटयूट एडमिशन रिसिप्ट अपलोड करना होगा। ऑन लाइन स्वीकृति के लिए डाटा लाभार्थी अपने मूल जिले के जिलाधिकारी के लॉगिग प्रदर्शित होगा।

विश्व पटल पर भारत का मान बढ़ा रही है खादी: कुमार

भोपाल, देशबन्धु। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अध्यक्ष मनोज कुमार ने शुक्रवार को भोपाल के जेतपुरा पंचायत में स्थित ग्राममुड़िया खेड़ा में आयोजित एक कार्यक्रम में ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत 126 लाभार्थियों को आधुनिक उपकरण और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के अंतर्गत 75 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी का वितरण किया। कार्यक्रम में विधायक विष्णु खत्री उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्री कुमार ने मध्य प्रदेश के अगल-अलग हिस्सों से आये 20 कुम्हारों को कुम्हार सशक्तिकरण के अंतर्गत 20 विद्युत चालित चाक, 26 महिला उद्यमियों को अगरबत्ती मशीन, 40 उद्यमियों को टर्नवुड क्रॉफ्ट मशीनें, फल एवं सब्जी प्रसंस्करण उद्योग के अंतर्गत 4 स्वयं सहायता समूहों की 40 महिला उद्यमियों को 4 सेट मशीन एवं उपकरण, पीएमईजीपी के 10 लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र का वितरण किया। इसके साथ ही पीएमईजीपी के अंतर्गत देशभर के 1779 लाभार्थियों को 75 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में श्री कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तीव्र गति से विश्वगुरू बनने की दिशा में अग्रसर है। भारत की इस विकास यात्रा में नये भारत की नयी खादी का भी अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था को सशक्त करने वाली जिस खादी को 9 वर्ष पहले तक भुला दिया गया था, आज वहीं खादी वैश्विक ब्रांड बनकर विश्व पटल पर भारत का मान बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि 9 वर्ष पूर्व खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की वार्षिक बिक्री 33 हजार करोड़ रुपये के करीब थी। पिछले वित्त वर्ष में ये आंकड़ा 1.34 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। पिछले 9 वर्षों में अतिरिक्त 1 लाख करोड़ रुपये इस सेक्टर में आए हैं। ये पैसा गांवों में खादी और ग्रामोद्योग सेक्टर से जुड़े गरीब, दलित, पिछड़े, अति पिछड़े, किसान, नौजवान, बेरोजगार और आदिवासी समाज से जुड़े भाइयों-बहनों के पास गया हैं, जिसने उन्हें गरीबी से बाहर निकालने और खाद्य सुरक्षा प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने नीति आयोग के उस आंकड़े का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि पिछले 5 वर्षों में 13.5 करोड़ लोग भारत में गरीबी से बाहर निकले हैं। श्री कुमार ने बताया कि खादी सेक्टर में 80 प्रतिशत महिला कत्तिन और बुनकरों की भागीदारी है। वहीं विधायक विष्णु खत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केवीआईसी द्वारा ग्रामोद्योग विकास योजना के अन्तर्धगत भारतीय परम्प रागत उद्योगों के कामगारों को टूल्स एवं मशीनरी का वितरण किया जा रहा है, जिससे परम्पारागत उद्योगों के कामगारों की आय में वृद्वि से उनके जीवन स्तकर में व्याअपक सुधार हुआ है। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार और केवीआईसी के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

पैकेज वॉटर यूनिट का शुभारंभ

इस कार्यक्रम के बाद केवीआईसी अध्यक्ष श्री कुमार ने सीहोर की तहसील श्यामपुर के ग्राम झरखेड़ा में महिला उद्यमी श्रीमति रीना द्वारा पीएमईजीपी के माध्यम से साढ़े 47 लाख रुपये का ऋण लेकर स्थापित पैकेज वॉटर यूनिट का शुभारंभ किया। महिला उद्यमी श्रीमति रीना ने श्री कुमार को बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित इस पैकेज वॉटर यूनिट से गांव के ही करीब 20 लोगों को रोजगार मिल रहा है।

युवा रचनाकारों पर आधारित मुशायरा और सेमिनार आज

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा नई हवाओं का मौजू-ए-गुफ़्तगू क्या है के अंतर्गत क़लम से मंच तक के तहत मुशायरा और सेमिनार का आयोजन 30 सितम्बर को सायं 6 बजे मोहनिया सभागार, गांधी भवन में किया जाएगा।

उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ नुसरत मेहदी ने कहा कि ये कार्यक्रम युवा रचनाकारों को समर्पित है। कार्यक्रम दो सत्रों पर आधारित होगा। प्रथम सत्र में सेमिनार के तहत वक्ता के रूप में डॉ. मोईद रशीदी अलीगढ़ एवं क़मर जहाँ बहराईच शामिल रहेंगे एवं इस सत्र का संचालन रिज़वानउद्दीन फ़ारूक़ी द्वारा किया जाएगा। दूसरे सत्र में अखिल भारतीय मुशायरा आयोजित किया जाएगा जिसमें अबरार काशिफ़- अमरावती, आशु मिश्रा- बरेली, क़मर अब्बास क़मर दिल्ली, आएशा अय्यूब लखनऊ, कुणाल दानिश नागपुर, अफ़ ज़ल इलाहाबादी लालगोपालगंज, नईम फ़राज़ अमरावती, चराग़ शर्मा चंदौसी एवं भोपाल से संदीप श्रीवास्तव, फ़रहान मंज़र, फ़ाज़िल फ़ैज़, सुहैल उमर, परवीन पारो, डॉ. प्रार्थना पण्डित एवं नौमान ग़ाज़ी अपना कलाम पेश करेंगे।

बघेली गायन और बैगा जनजातीय नृत्य आज

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य, गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि संभावना में 30 सितम्बर को सुश्री कल्याणी मिश्रा एवं साथी, रीवा द्वारा बघेली गायन एवं धनीराम बगदरिया एवं साथी, डिंडोरी द्वारा बैगा जनजातीय नृत्य की प्रस्तुति दी जायेगी। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय के सभागार में आयोजित यह गतिविधि शाम 6.30 बजे से होगी।

सुंदर अगनानी स्मृति में राष्ट्रीय सिंधी नाट्य समारोह आज से

पांच सिंधी नाटक होंगे, व्याख्यान और सम्मान कार्यक्रम भी होगा

भोपाल, देशबन्धु। सिंधी रंग समूह संस्था द्वारा प्रख्यात साहित्यकार,कार्टूनिस्ट और नाटक लेखक स्व सुंदर अगनानी की जयंती पर उनकी स्मृति में दो दिवसीय राष्ट्रीय सिंधी नाट्य समारोह 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को रविंद्र भवन में हो रहा है। कार्यक्रम में स्व. अगनानी के योगदान का स्मरण किया जाएगा। साहित्य अकादमी ,संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सिंधी एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य अशोक मनवानी ने बताया कि कार्यक्रम में एक अक्टूबर की शाम को अजमेर निवासी लेखिका डॉ. कमला गोकलानी, साहित्य अकादमी भारत सरकार की ओर से मेरे झरोखे से कार्यक्रम के अंतर्गत स्व अगनानी के साहित्य और रंगमंच क्षेत्र में योगदान पर वक्तव्य देंगी। वहीं दो दिवसीय राष्ट्रीय सिंधी नाट्य समारोह में मुंबई, उल्हासनगर, अमदाबाद, जयपुर और भोपाल की रंगमंच संस्थाएं पांच नाटकों नाटकों का मंचन करेंगी। इसमें स्व अगनानी का लिखा लोकप्रिय नाटक इश्तिहारी शादी भी शामिल है, जिसे रंग समूह के रंगकर्मी प्रस्तुत करेंगे। इसका निर्देशन अशोक बुलानी का है। इसके अलावा अगनानी के लिखे दो अन्य नाटक ईश्वर मर गया और मुसाफिरखानो का मंचन भी होगा। दोनों दिन शाम साढ़े 5 बजे से कार्यक्रम प्रारंभ होंगे। इसमें नाटक निर्देशक प्रेमप्रकाश, जूली तेजवानी, अशोक बुलानी, नंदिनी पंजवानी अपनी निर्देशन प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में वरिष्ठ फिल्म कलाकार श्रीचंद माखीजा (नुक्कड़ फेम) का सम्मान भी होगा। उल्लेखनीय है कि अगनानी कई वर्ष अखिल भारत सिंधी बोली साहित्य सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे है और गत वर्ष उनका अवसान हुआ।

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड G20
(कोल इंडिया लिमिटेड का एक उपक्रम)
कोल इस्टेट, सिविल लाईन्स, नागपुर-440001, महाराष्ट्र, भारत. वेबसाईट www.westerncoal.in

सूचना

कोल इंडिया लिमिटेड एवं उसकी सहायक कंपनियों द्वारा सामग्री खरीदी, कार्यों एवं सेवाएँ हेतु जारी सभी निविदाएं **कोल इंडिया लिमिटेड** की वेबसाईट **www.coalindia.in**, संबधित सहायक कंपनी (**वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड www.westerncoal.in**) सीआईएल की ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल, **https://coalindiatenders.nic.in** एवं केंद्रीय सार्वजनिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://eprocure.gov.in** पर उपलब्ध है । निविदा के लिए बिड सिर्फ **http://coalindiatenders.nic.in** के जरिए जमा की जा सकती है। शुद्धिपत्र / परिशिष्ट, यदि कोई हो, केवल **http://coalindiatenders.nic.in** पर प्रकाशित किया जायेगा। इसके अलावा जीईएम (**GeM**) पोर्टल **https://gem.gov.in** के माध्यम से भी खरीदी की जाती है।

''हमारी अॅप्स पाने के लिये टोल फ्री 18002003004 पर मिस कॉल दें''

कार्यालय नगरपालिका परिषद आमला, जिला- बैतूल (म.प्र.)

E-mail: cmoamla@mpurban.gov.in Phone No-07147-286752

क्रमांक / लो.नि.शा. / ई - निविदा / 2023 / 899 आमला, दिनांक- 27/09/2023

ई - निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइड https://mptenders.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2023_UAD_312923 Dt: 28.09.2023	Construction work of new building for Sanjivani clinic located in Ward no-17 near tekda school at NPP Amla.	1- Dt: 29.09.2023, 10.30 am to Dt: 09.10.2023, 17.30 pm 2-Rs.21,83,160/-	1- Rs. 5,000/- 2-Rs. 16,500/- -	Dt: 09.10.2023 Time: 17.30 pm

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in/ के वेबसाईड पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा। उक्त निविदा सूचना निकाय की वेबसाईट http://npamla.com/ पर भी देखी जा सकती है।

(श्री नितिन गाडरे) अध्यक्ष नगरपालिका परिषद आमला

(श्री किशोर माथनकर) उपाध्यक्ष नगरपालिका परिषद आमला

(नीरज श्रीवास्तव) मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद आमला

कार्यालय नगर पालिका परिषद मुलताई जिला बैतूल (म.प्र.)

क्र. / ई टेण्डरिंग / एम. सी. एम. / 2023/1057 मुलताई दिनांक 26.09.2023

निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम)

नगर पालिका परिषद मुलताई के द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में निर्माण साम्रगी क्रय करने हेतू निर्माता / पंजीकृत सप्लायर/ डीलर / फर्म से आनलाईन निविदा सामग्री दर (Item Rate) पर आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	विवरण	अनुमानित लागत (रूपये लाख में)	अमानत राशि रूपये	निविदा प्रपत्र का मुल्य	समय सीमा
1.	नगर पालिका परिषद मुलताई के लिये निर्माण सामग्री प्रदाय व किराये पर मशीनरी उपलब्ध कराने का कार्य ।	10.00	10000.00	2000.00	निर्माण सामग्री आदेश दिनांक से 07 दिवस की अवधि में वर्ष 2023-24

नोट:-

1. इच्छुक एवं पात्र निविदादाता विस्तृत निविदा एवं अन्य समस्त जानकारी https:// www.mptenders.gov.in पर देख सकते है ।
2. ऑनलाईन निविदा प्रपत्र दिनांक 27.09.2023 समय सुबह 10.00 बजे से दिनांक 13.10.2023 समय सायं 5.30 बजे तक वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते है तथा ऑनलाईन दर प्रस्तुत की जा सकती है ।
3. निविदा में किये जाने वाले संभावित संशोधन की सूचना समाचार पत्रो में प्रकाशित नही की जावेंगी, निविदा से संबंधित संशोधन वेबसाइट पर ऑनलाईन देखे जा सकते है ।

(श्रीमति नीतू प्रहलादसिंह परमार) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मुलताई

(श्री शिवकुमार माहोरे) उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद मुलताई

(श्रीमति निर्मला रामा उबनारे) सभापति लोक निर्माण, आवास एवं पर्यावरण नगर पालिका परिषद मुलताई

(आर.के.ईनवाती) मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद मुलताई

कार्यालय नगर परिषद माखन नगर, जिला नर्मदापुरम म.प्र.

Nagar Parishad Makhan Nagar, Dist-Narmadapuram M.P.

Phone &Fax no. 07574-259687 E-mail id-cmobabai@mpurban.gov.in

क्रं./ 1580/यू.ए.डी.डी./सीएमओ/ 2023 माखन नगर, दिनांक 26.09.2023

निविदा सूचना

निम्न कार्य हेतु निकाय द्वारा वेबसाईट www.mptender.gov.in पर निविदा आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर 28.09.2023 से 06.10.2023 तक डाउनलोड की जा सकती है। विस्तृत निविदा सूचना आमंत्रण एवं अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है। निविदा संशोधित होने की स्थिति में वेबसाइट पर ही प्रकाशित की जावेगी। समाचार पत्र में नहीं।

टेंडर क्रं.	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानति राशि	अमानत राशि	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र का मूल्य	समय अवधि
2023_UAD_312817_1	कायाकल्प योजना 2.0 अंतर्गत वार्ड क्रं. 07 में अस्पताल के सामने मेन रोड से नसीराबाद रोड तक सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	5000000/-	37500/-	5000/-	03 माह

अध्यक्ष नगर परिषद माखन नगर

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद माखन नगर

अभिमत

विपक्ष का इंडिया गठबंधन जोर पकड़ रहा है तो भाजपा के लिए सबसे आसान तरीका सांप्रदायिकता के मूल विषय पर वापस आना होगा। भाजपा में कई लोग ऐसा सोचते हैं कि जीत के लिए यह एक सुनिश्चित तरीका है और अगर यदि ऐसा कुछ है तो देश को एक भयानक चुनाव अभियान के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि व्यक्तिगत तौर पर उम्मीदवार प्रचार की स्वीकृत सीमा से आगे निकल जाते हैं और वे जगह-जगह से संसद में बिधूड़ी के कब्जे वाले स्थान पर दिखाई देते हैं।

वैचारिक गिरावट की ओर तेजी से दौड़ती भाजपा

जगदीश रत्तनानी

संसद में बनाई गई स्थिति से बाहर निकलने का एक आसान तरीका है। भाजपा नेतृत्व माफी मांग सकता है, प्रधानमंत्री सहित उसके वरिष्ठ नेता दानिश अली से मिल सकते हैं और उन्हें तथा राष्ट्र को आश्वस्त कर सकते हैं कि ऐसा दोबारा नहीं होगा एवं अपमानित करने वाले को उचित सजा दी जाएगी। भाजपा में शामिल और पार्टी के समर्थक लोगों में से कितने लोग सोचते हैं कि ऐसा रास्ता संभव है, वांछनीय है और यहां तक कि भाजपा के लिए लाभदायक भी है?

दक्षिण दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी के सांसद रमेश बिधूड़ी द्वारा बसपा सांसद कुंवर दानिश अली के खिलाफ कहे गए अपमानजनक और सांप्रदायिक अपशब्द ऐसी भाषा है जो सड़कों पर भी कही जाने योग्य नहीं है और जिसे प्रतिबंधित किया जाना चाहिए, यह भाषा सत्ता पक्ष की ओर से संसद में बोली जा रही है। इस तरह की भाषा बहस के स्तर की गिरावट का प्रतिनिधित्व करती है। इस स्तर पर भाजपा प्रतिस्पर्धी सांप्रदायिकता और ध्यान आकर्षित करने की बीमारी में फंस गई है। इसके कुछ महत्वाकांक्षी सदस्य खतरनाक तरीकों से मंच हथियाने की कोशिश कर रहे हैं। बिधूड़ी के खिलाफ कड़ी और त्वरित कार्रवाई की कमी इस तरह के दुरुपयोग को वैध बनाती है। यह वास्तव में दूसरों को संदेश देती है कि इस कीचड़ में खेलना और 2024 के चुनावों की तैयारी के दौरान सांप्रदायिक घृणा के बढ़ते प्रसार में योगदान देना ठीक है। इसका हालिया उदाहरण भाजपा के एक अन्य सांसद का यह दावा है कि बिधूड़ी को उकसाया गया था। वह बयान भी इस मामले को और सांप्रदायिक बनाने का एक प्रयास है।

बिधूड़ी के अकथनीय और उग्र शब्द उस वक्त आए जब वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बचाव करते हुए दिखाई दिए। इसे सामान्य परिस्थितियों में और आदर्श रूप से प्रधानमंत्री के अपमान के रूप में देखा जाना चाहिए। आरोप का जवाब देने के अन्य तरीके भी हैं। विवाद उस समय शुरू हुआ जब प्रधानमंत्री ने चन्द्रमा मिशन का श्रेय इसरो को देने के बजाय इसका क्रेडिट खुद लिया।

अपशब्दों का प्रयोग कर आरोपों का खंडन करने से कोई फायदा नहीं होता है बल्कि इससे आरोप सही साबित होते हैं। आरोपों के गुण-दोषों की परवाह न करते हुए देखें तो ऐसी हरकतों से प्रधानमंत्री और पार्टी को नुकसान होता है और इससे नेतृत्व को शॉक लगना चाहिए। इसके अलावा बिधूड़ी ने अपनी असभ्यतापूर्ण हरकत से संसद के नए भवन में संसद के पहले सत्र को ही अपवित्र कर दिया जिसे भाजपा अपनी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में पेश कर रही थी। बिधूड़ी ने भाजपा की इस उपलब्धि का अपहरण कर लिया है। खुद प्रधानमंत्री ने संसद की नई इमारत को 'सिर्फ एक नई इमारत नहीं बल्कि एक नई शुरुआत का प्रतीक' कहा है। बिधूड़ी ने उस 'नई शुरुआत' को एक बहुत ही अशुभ अर्थ दे दिया। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम यानी महिला आरक्षण विधेयक से भी ध्यान हटा दिया जिसे प्रधानमंत्री ने एक ऐतिहासिक कानून तथा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाला कहा था। बिधूड़ी की टिप्पणी उन पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए। कारण बताओ नोटिस जारी होने के बाद रविवार रात तक बिधूड़ी पर कार्रवाई न होना कई सवाल खड़े करता है।

इसमें मुख्य बात भाजपा की नई प्रकृति और चरित्र ही होना चाहिए क्योंकि वह 2024 का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। भाजपा को पूरा भरोसा है कि वह सत्ता में वापसी करेगी परन्तु ऐसा नहीं है कि उसे राहुल गांधी की ओर से मिलने वाले 'सरप्राईज' को लेकर कोई चिंता नहीं होगी। विपक्ष की एकजुटता को भले ही कुछ लोग एकजुट उपस्थिति के बजाय एक पैचवर्क समाधान के रूप में खारिज कर रहे हों लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस एकजुटता ने भाजपा को चिंता में डाल दिया है। सत्ता-विरोधी एक मजबूत लहर भी चल रही है। इस लहर को सशक्त करने के लिए विपक्ष अपनी बात लोगों तक ले जा रहा है और जिसे सोशल मीडिया पर अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। विपक्ष अपनी ओर से इसमें भाजपा के पसंदीदा उद्योगपतियों (राहुल गांधी के शब्दों में 'एक एकाधिकारवादी मित्र') जिनका पार्टी नेतृत्व ने लगातार समर्थन किया है, के बारे में तथा सांप्रदायिकता पर गहन सामग्री उपलब्ध करा रहा है। इसमें भाजपा के अमीर समर्थक और जनविरोधी दृष्टिकोण, नोटबंदी से लेकर ईंधन और गैस सिलेंडर की ऊंची कीमतों से लेकर हाल ही में 100 रुपये प्रति किलो बिकने वाले टमाटर तक का स्पेक्ट्रम चलाया गया है।

इन परिस्थितियों में और विशेष रूप से जब ऐसी खबरें हैं कि विपक्ष का इंडिया गठबंधन जोर पकड़ रहा है तो भाजपा के लिए सबसे आसान तरीका सांप्रदायिकता के मूल विषय पर वापस आना होगा। भाजपा में कई लोग ऐसा सोचते हैं कि जीत के लिए यह एक सुनिश्चित तरीका है और अगर यदि ऐसा कुछ है तो देश को एक भयानक चुनाव अभियान के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि व्यक्तिगत तौर पर उम्मीदवार प्रचार की स्वीकृत सीमा से आगे निकल जाते हैं और वे जगह-जगह से संसद में बिधूड़ी के कब्जे वाले स्थान पर दिखाई देते हैं।

दानिश अली ने खुलेआम अपना दर्द व्यक्त किया कि जिस रात यह टिप्पणी की गई थी, उस रात वह सो नहीं सके। बिधूड़ी के इस घटिया भाषण की प्रकृति, भाजपा नेतृत्व की चुप्पी ठीक उसी तरह की है जैसे संसद के बाहर दुर्व्यवहार और हिंसा का चक्र चल रहा है। उत्पीड़ित लोग जो सवाल सड़कों पर पूछते हैं कि 'आम लोग न्याय के लिए कहां जाएंगे?' वह अब संसद तक पहुंच गया है। लोकसभा के एक सदस्य ने कहा है-'हम न्याय के लिए कहां जाएं?' इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह राष्ट्र के लिए एक भयानक गिरावट है।

इस गिरावट की जड़ में भाजपा का यह विश्वास है कि आक्रामक रूप से प्रहार करना बचाव का सबसे अच्छा तरीका है, यह कि हिंसा हमारे मिज़ाज़ में है और हिंसा का सामना दोगुनी हिंसा से किया जाना चाहिए, यह कि 'दूसरों' को नीचे रखा जाना चाहिए, यह कि नेतृत्व शब्द रूप, आकार और कार्रवाई में मर्दाना है। यह शक्ति और नियंत्रण की पुरानी भाषा है जो आज की दुनिया में समाप्त हो चुकी ताकत है। यह भाषा देश को कड़वाहट के कठोर और उजाड़ परिदृश्य के रूप में पेश करने का प्रतिनिधित्व करती है। हम एक ऐसे भारत का निर्माण कर रहे हैं जिसमें अनुग्रह, प्रेम और एकजुटता के विचार नहीं हैं। बुनियादी ढांचे, व्यवसाय या आधुनिकता के अन्य उपकरण चाहे कितने भी उन्नत क्यों न हों, इन विचारों के अभाव में भारत एक राष्ट्र के रूप में नहीं बढ़ सकता है। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा को चुनौती देने के लिए इनमें से कुछ विचार सामने आएंगे। कांग्रेस ने हाल के दिनों में अक्सर 'प्रेम' की भाषा की बात की है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस बार भाजपा का प्रचार अभियान अच्छी तरह से चिकना-चुपड़ा, और भी अधिक चालाकी भरा, शानदार तरीके से वित्त पोषित तथा उचित समय पर आएगा।

पिछले लगभग एक महीने से इस अभियान के नमूने सोशल मीडिया पर सामने आ रहे हैं। भाजपा के संदेशों के साथ देश पर एक तरह की 'कार्पेट बाम्बिंग' की उम्मीद करें। मीडिया के चुनिंदा वर्ग उसकी जेब में होंगे। भाजपा के धन-बल के समक्ष विपक्ष का कोई मुकाबला नहीं होगा। फिर भी भाजपा की जीत की कोई गारंटी नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने एक बार कहा था- 'भारत में आप पैसे के अभाव में चुनाव हार सकते हैं, लेकिन आप कभी भी सिर्फ इसलिए चुनाव नहीं जीत सकते क्योंकि आपके पास पैसा है!' हालांकि धन के अनवरत प्रवाह से भरी भाजपा के पास संसाधनों का एक बड़ा भंडार है और यह कमी अभी भी विपक्ष को नुकसान पहुंचाएगी। हम औपचारिक रूप से चुनाव प्रचार के बिगुल फूंके जाने का इंतजार कर रहे हैं।

संसद में बनाई गई स्थिति से बाहर निकलने का एक आसान तरीका है। भाजपा नेतृत्व माफी मांग सकता है, प्रधानमंत्री सहित उसके वरिष्ठ नेता दानिश अली से मिल सकते हैं और उन्हें तथा राष्ट्र को आश्वस्त कर सकते हैं कि ऐसा दोबारा नहीं होगा एवं अपमानित करने वाले को उचित सजा दी जाएगी। भाजपा में शामिल और पार्टी के समर्थक लोगों में से कितने लोग सोचते हैं कि ऐसा रास्ता संभव है, वांछनीय है और यहां तक कि भाजपा के लिए लाभदायक भी है? इस तरह यह एक ऐसे राष्ट्र के लक्षण हैं जो चंद्रमा तक पहुंचने के लिए सारी रुकावटों को तोड़ सकता है लेकिन यह लोगों के दिल और दिमाग में नई बाधाएं पैदा करता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। सिंडिकेट : दी बिलियन प्रेस)

बीता सप्ताह

23 सितंबर

- बीजू दल की वरिष्ठ नेता प्रमिला मलिक ओडिशा विधानसभा की पहली महिला स्पीकर बनीं।
- घरेलू वन डे सीरिज में भारत की टीम ने तीन मैचों में आस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया।
- सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद मामले में वैज्ञानिक सर्वेक्षण मांग वाली याचिका को खारिज कर दी।
- पोलैंड के राष्ट्रपति आंडेज डूडा ने ऐलान किया कि 2024 में अपना कार्यकाल समाप्त करने के बाद अब चुनाव नहीं लड़ेंगे।

24 सितंबर

- सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना में हुई मौतों का संज्ञान लेते हुए सरकार से पूछा कि आपदा में शवों को संभालते हैं।
- प्रसिद्ध साहित्यकार, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के बड़े सुपुत्र केदारनाथ सिंह का निधन हो गया।
- एक देश एक चुनाव की पहली बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने की।
- प्रधानमंत्री मोदी ने नौ वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

25 सितंबर

- वैज्ञानिकों ने खोजा अनोखा ग्रह 'ग्लीज 267वीं' इस ग्रह पर धरती से ज्यादा शुद्धतम लोहा व दोगुना घनत्व है।
- चीनी शोधकर्ताओं ने नई बायोनिक कम कार्बन निर्माण सामग्री विकसित करने में सफलता हासिल की।
- बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल हार्वेस्ट गोल्ड ग्लोबल रेस-2023 की शुरुआत की।
- भारतीय नाविकों ने झारखंड में दो रजत और एक कांस्य पदक जीता।

26 सितंबर

- चीन के हांगझोउ में एशियन गेम्स में शूटिंग के 10 मीटर एयर राइफल्स टीम स्पर्धा में भारत के ऐश्वयप्रताप सिंह, दिव्याश सिंह और रुद्राक्ष पाटिल ने देश का पहला स्वर्ण पदक जीता।
- गुणवत्ता नियंत्रण आंदोलन में योगदान के लिए एन एम डी सी ने बेस्ट आर्गेनाइजेशन अवार्ड जीता।
- रक्षामंत्री सी-295 मालवाहक विमान वायुसेना के बेड़े में शामिल करते हुए एयर चीफ मार्शल को आर चौधरी को सौंपा।

27 सितंबर

- फिल्म जगत का सर्वोच्च सम्मान दादा साहेब फाल्के पुरस्कार के लिए प्रसिद्ध अभिनेत्री वहीदा रहमान का चयन किया गया है।
- देश की प्रतिष्ठित संस्था फेडरेशन ऑफ इंडियन चेम्बर्स ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने प्रदेश के तीन पुलिस अधिकारियों को स्मार्ट पुलिसिंग अवार्ड-2022 प्रदान किया।
- एशियाई खेल में घुड़सवारी में 41 साल के बाद भारत की सुदीप्ति हतेला, दिव्याकृति सिंह, हृदय छेदा, और अनुज अग्रवाल ने स्वर्ण पदक जीता।
- दिल्ली के जंगपुरा के एक ज्वेलरी शो रूम से 25 करोड़ का सोना चोरी हो गया।
- छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पहली टेनिस अकादमी शुरु हुई।

28 सितंबर

- छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले के सरोदा दादर गांव को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम पुरस्कार दिया गया।
- कनाडा के एंथनी रोटा ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी ईकाई के लिए लड़ने वाले एक व्यक्ति को निमंत्रण दिए जाने व सम्मानित किए जाने के कारण संसद के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया।
- इराक के उत्तरी प्रांत निनेवेह के अल हसदानिया शहर के हॉल में विवाह समारोह के दौरान आग लग जाने से 114 लोगों की मृत्यु हो गई।
- फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंट रोमुअलडेज मार्कोस को बढ़ावा देने के लिए एक मास्टर प्लान कानून पर हस्ताक्षर किया।

29 सितंबर

- एशियन गेम्स हांगझोउ में भारत के सरबजीत सिंह, शिव नरवाल और अर्जुन सिंह चीमा की तिकड़ी ने निशानेबाजी स्पर्धा में चौथा स्वर्ण पदक जीता।
- हरित क्रांति के जनक महान वैज्ञानिक डॉ एम एस स्वामीनाथन का निधन हो गया।
- नासा के एक फ्रेंक रुबियो और दो अंतरिक्ष रूसी यात्री स्पेस में 371 दिन बिताकर धरती पर सकुशल लौटे।
- कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने संसद में एक यूक्रेनी व्यक्ति को सम्मानित करने के लिए माफी मांगी।

महिला आरक्षण विधेयक : शकुनि का पांसा

■ संध्या शैली

अंतत: वोट कबाड़ने और सत्ता में बने रहने के लिये आखिरी पांसा भी फेंक दिया गया। 'मनुस्मति' को देश के संविधान से ऊपर मानने वाली, 'संविधान सभा' में हिंदू महिलाओं को अधिकार देने वाले 'हिंदू कोड बिल' के खिलाफ हंगामा करते हुये उसे पारित होने से रोकने वाली महिला विरोधी पलटन ने अंतत: महिला आरक्षण के विधेयक को 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के नाम से एक पांसे की तरह उछाल दिया है।

इस विधेयक के खिलाफ कोई नहीं है। महिलाओं को समानता की मांग करने वाला कभी उन्हें आरक्षण देने के खिलाफ हो भी नहीं सकता। इसकी नियमावली भी बाद में बनाई जा सकती है, लेकिन सवाल यह है कि इतने सालों तक सरकार में रही और संसद के अधिवेशनों में महिला विरोधी कदम उठाने वाली भाजपा को आज अचानक क्यों इस देश की महिलाओं के पक्ष में निर्णय लेने का ख्याल आ गया? इसीलिए न कि अब लोकसभा और कई बड़े राज्यों के चुनाव सिर पर हैं।

कई महिला संगठन इस विधेयक को पारित करने और महिलाओं को विधायिकाओं में अधिकार देने की कई सालों से मांग कर रहे थे। दिल्ली और देश के कई शहरों, कस्बों और इलाकों में इसकी मांग करते हुये प्रदर्शन हुये, सेमीनार हुये, महिलाओं की बैठकें हुईं। कांग्रेस के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार भी कोई दूध की धुली नहीं थी, लेकिन उस वक्त जब यह विधेयक राज्यसभा में पारित हुआ था तब लोकसभा में इसे पारित करने में अड़ंगे लगाने वाली भाजपा अब क्यों इस विधेयक को पारित करने का दिखावा कर रही है?

इस विधेयक के खिलाफ कोई नहीं है। महिलाओं को समानता की मांग करने वाला कभी उन्हें आरक्षण देने के खिलाफ हो भी नहीं सकता। इसकी नियमावली भी बाद में बनाई जा सकती है, लेकिन सवाल यह है कि इतने सालों तक सरकार में रही और संसद के अधिवेशनों में महिला विरोधी कदम उठाने वाली भाजपा को आज अचानक क्यों इस देश की महिलाओं के पक्ष में निर्णय लेने का ख्याल आ गया?

वैसे किसी भी समाज या देश में बदलाव तभी होते हैं जब आम जनता उनके पक्ष में आवाज बुलंद करती है। देश के प्रगतिशील महिला आंदोलनों का ही परिणाम था कि प्रजातांत्रिक परंपराओं और धर्मनिपेक्षता की रक्षा करने के लिये संविधान में संशोधन होते रहे और कानून बनते रहे। 'राष्ट्रीय महिला आयोग' बना और हर राज्य में भी 'महिला आयोग' बने। देश में कामगार महिलाओं की दशा पर सरकार द्वारा एक अध्ययन करवाया गया और महिलाओं के पक्ष में कानून बनाने की कोशिश की गई।

दहेज हिंसा को परिभाषित करते हुये 498 ए जैसा कानून बना, देश में घरेलू हिंसा को रोकने के लिये अलग कानून बनाया गया, कार्यस्थल पर यौन हिंसा के खिलाफ कानून बना, यौन हिंसा की परिभाषा विस्तृत की गई, पंचायतों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने के बाद उन्हें प्रशिक्षित किया गया और अब कई पंचायतों में महिलायें आधे से भी अधिक चुनी गई हैं।

माना कि इन तमाम कानूनों में कई खामियां हैं, लेकिन इन खामियों को दूर करने के लिये आवाज उठाई जा रही है। कुल मिलाकर आज नहीं तो कल महिला आरक्षण विधेयक पारित होना ही था। जो भाजपा हर साल हजारों महिलाओं की जान लेने वाले दहेज अपराध को रोकने के लिये बने 498 ए कानून को कमजोर करने में लगी हो, वह कैसे इस कानून को बनायेगी और महिलाओं को विधायिकाओं में पहुंचने का रास्ता साफ करेगी।

लोकसभा में पारित इस विधेयक और पूर्व में पारित विधेयकों में अंतर यही है कि पहले के विधेयक पारित होते ही लागू हुये थे, लेकिन इस ताजा कानून में पहले से ही 2029 तक की समय-सीमा लगा दी गयी है। यानि दो चुनावों को निपटाने के बाद। अब यह भी कहा जा रहा है कि परिसीमन और जनगणना, विधानसभा और संसदीय क्षेत्रों को तय करने के बाद यह कानून कार्यान्वित किया जायेगा। जनगणना कब होगी?

वर्ष 2021 की जनगणना कोरोना का कारण बताकर टाल दी गई, लेकिन घोषणा करने के बावजूद 2023 के खत्म होने तक उसकी प्रक्रिया भी शुरू नहीं की गई है। तो फिर यह आशा कैसे की जा सकती है कि अगली 2031 में होने वाली जनगणना के आंकड़े समय पर प्रकाशित होकर इस विधेयक के क्रियान्वयन की शर्तों को पूरा कर देंगे? उसके बाद होने वाले परिसीमन के पहले तो इस विधेयक का क्रियान्वयन होने से रहा।

दूसरी बात यह है कि जिस सत्तारूढ़ पार्टी के मंत्री, सांसद, विधायकों पर बलात्कार, छेड़छाड़, अपहरण, हत्या के आरोप हों उससे क्या इस देश की महिलायें अपेक्षा कर सकती हैं कि इस विधेयक का क्रियान्वयन करेगी? क्या यह विडंबना नहीं है कि महिला पहलवानों का यौन शोषण करने वाला सांसद बृजभूषण सिंह 'महिला आरक्षण विधेयक' के पक्ष में हाथ उठाता है? महिला कोच को, जिसने भाजपा की हरियाणा सरकार के खेल मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ शिकायत की थी, निलंबित कर देते हैं?

गुजरात में बिल्किस बानो की तीन साल की बच्ची की हत्या करने वालों और बिल्किस की छोटी बहन और मां सहित 11 महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार करने वाले अपराधियों को जेल में अच्छे व्यवहार का सर्टिफिकिट देकर जेल से रिहा करने की सिफारिश करती है? और जेल से रिहा होने के बाद उन बलात्कारियों का सार्वजनिक सम्मान करती है?

जिस सत्ताधारी पार्टी के नेता, विधायक, यहां तक कि महिला सांसद तक कठुआ में हुये घृणित बलात्कार और हत्या तक के प्रकरणों में आरोपी ही नहीं, वरन अपराधियों के समर्थन में जुलूस निकालते हैं, उन्नाव के घृणित बलात्कार और हत्या के प्रकरण में तो भाजपा विधायक कुलदीप सैंगर आरोपी ही नहीं, अपराधी भी साबित हो जाता है, लेकिन आज तक इन तमाम नेताओं को पार्टी से निलंबित नहीं किया जाता। इतना ही नहीं ये नेता उन मासूमों और उनके परिजनों को ही घृणित घटनाओं के लिये जिम्मेदार बता देते हैं।

मध्यप्रदेश में लगातार हुईं घटनायें इसी का सबूत देती हैं। अभी हाल में उज्जैन में 12 साल की बच्ची के साथ हुआ लोमहर्षक कांड मौजूदा सरकार पर शर्मनाक धब्बा है। सागर के पास के गांव में एक युवती और उसकी मां के साथ हुई घटना इसका सबूत हैं कि स्थानीय हत्यारे दबंग नेता और मंत्री इसके लिये युवती और उसकी मां को चरित्रहीन और भाई, जिसकी हत्या कर दी गई, को चोर बता रहे हैं।

दरअसल इतिहास बताता है कि सत्तारूढ़ भाजपा और उसके मातृ संगठन आरएसएस का इस देश की महिलाओं के आंदोलनों में योगदान और देश की रवायत से कोई संबंध ही नहीं रहा है। जिन महिलाओं और देश के लोकतंत्र तथा समता के समर्थक दलों और संगठनों ने इस मुद्दे को लेकर अब तक लड़ाई लड़ी है, उन्हें ही इसे वास्तविक बनाने की लड़ाई भी लड़नी और जीतनी होगी।

(लेखिका 'अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति' की केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य और 'लोकजतन' की सह-सम्पादक हैं।)

'गांधी की महिला फौज' : एक रोचक किताब?

■ रघुराज सिंह

महिला आरक्षण पर चहुंदिस जारी कीर्तन के विलक्षण दौर में, हाल ही में 'नेशनल बुक ट्रस्ट' से एक बहुत ही अलग ढंग की किताब छपी है, नाम है- 'गांधी की महिला फौज।' महीना-डेढ़ महीना पहले छपी इस किताब को लिखा है, वरिष्ठ पत्रकार अरविन्द मोहन ने। जाने क्यों यह किताब अब तक बाजार में नहीं मिल रही?

पिछले साल अक्टूबर में अरविन्द मोहन को इसी विषय पर सुनते हुए लगा था कि यह महिलाओं और गांधी पर, महिलाओं के सशक्तिकरण की दृष्टि से एक अलहदा व्याख्यान है। व्याख्यान इसी पुस्तक पर आधारित था। किताब अगर व्यापक नजरिए से परखी जाए तो यह गांधी के दौर वाले भारत में औरतों के बदलाव का एक विस्तृत दस्तावेज है।

औरतों में यह परिवर्तन सिर्फ गांधी के कारण ही नहीं आया। इस परिवर्तन को लाने में उस माहौल और उस पर्यावरण की खासी भूमिका रही, जो गांधी ने राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और कुरीतियों के विरोध में बनाया था। इस बदलाव को लाने में उन महिलाओं की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही जो गांधी के असर में आकर समाजसेवा के विभिन्न दायरों में फैली थीं।

अरविन्द मोहन ने अपनी किताब में एक विस्तृत भूमिका के साथ, गांधी विचार को अभ्यास में लाने वाली 74 महिलाओं के जीवन के उन पहलुओं को दर्ज किया है जिनके बारे में लोगों की जानकारी बहुत कम है। ये अमीर भी हैं, गरीब भी और वे भी जिनका देश भर में ऊंचा रसूख रहा है। वे विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों, जातियों और वर्गों की हैं। उनमें विदेशी भी हैं जिनमें से ज्यादातर ने अपने हिन्दुस्तानी नाम रख लिए थे और गांधी के साथ हमकदम हुई थीं। उन्होंने अपना घर-परिवार छोड़ा और गांधी के विभिन्न आन्दोलनों से जुड़ीं।

औरतों में यह परिवर्तन सिर्फ गांधी के कारण ही नहीं आया। इस परिवर्तन को लाने में उस माहौल और उस पर्यावरण की खासी भूमिका रही, जो गांधी ने राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और कुरीतियों के विरोध में बनाया था। इस बदलाव को लाने में उन महिलाओं की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही जो गांधी के असर में आकर समाजसेवा के विभिन्न दायरों में फैली थीं।

आन्दोलन चाहे देश को आजाद कराने का रहा हो, सत्याग्रहों में आवक-जावक का या फिर सबसे नीचे के तबके की सेवा करने का। इनमें बहुतेरी महिलाएं गांधी विचार की आँच में तपकर खांटी राजनीतिज्ञ भी बनीं। उनके बारे में पढ़कर मालूम होता है कि गांधी-युग की कैसी और कौन-सी दुनिया थी, जब न तो महिला शिक्षा का प्रसार था और न ही तथाकथित आधुनिकता का प्रभाव। इनमें से ज्यादातर वे थीं जो परदे और घर की दहलीज के बाहर पहली बार निकलीं थीं।

किताब बताती है कि भारत लौटने के कुल 15 साल बाद गांधी ने वर्ष 1930 में जब 'नमक सत्याग्रह' शुरू किया, तब तमाम पाबंदियों के बावजूद बीस हजार से ज्यादा औरतों ने गिरफ्तारियां दी थीं। आज तक दुनिया भर में किसी क्रांति, किसी आन्दोलन में इतनी औरतें जेल नहीं गईं। औरतों को मताधिकार की वकालत गांधी तब करते हैं, जब दुनिया में इसकी चर्चा लगभग नहीं थी। परदे से निकलना या धरने पर जाकर चुपचाप बैठ जाना कोई क्रांतिकारी काम है, यह कल्पना गांधी ही कर सकते थे।

इस किताब में शामिल महिलाओं के बारे में लिखने के पहले अरविन्द मोहन गहरी खोजबीन करते हैं। वे कुछ और महिलाओं को लेकर भी लिखना चाहते थे, लेकिन उनके विषय में प्रामाणिक जानकारी का अभाव था। आन्दोलनों में जिस स्तर पर महिलाओं की भागीदारी रही उसमें 74 की संख्या एक प्रतिनिधि आंकड़ा ही कहा जाएगा।

किताब में जिन महिलाओं का जिक्र है, वह उनसे संबंधित आश्चर्यजनक जानकारियों से भरपूर है। सबसे पहले जिक्र ब्रिटिश मूल की नेल्ली सेनगुप्ता का, जिनके बारे में आज शायद ही कोई जानता हो। वे अपने बांग्ला मित्र से शादी कर इंग्लेंड से भारत आईं और जल्दी ही गांधी के प्रभाव में आकर खुद अपनी पितृभूमि के खिलाफ आन्दोलन में शामिल हो गईं और बार-बार जेल गईं।

वर्ष 1934 के कलकत्ता कांग्रेस-अधिवेशन के नामित अध्यक्ष मदनमोहन मालवीय को अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ अंग्रेज सरकार ने गिरफ्तार कर लिया था। उस समय गांधी ने, जो स्वयं जेल में थे, नेल्ली सेनगुप्ता को कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया। इस विदेशी मूल की महिला ने सारी चुनौतियों का सामना करते हुए हजारों लोगों को जुटाकर अधिवेशन करा दिया। वे खुद अपना अध्यक्षीय भाषण नहीं कर सकीं, लेकिन कांग्रेस की तीसरी महिला अध्यक्ष होने के नाते अंग्रेजों को आन्दोलन की ताकत का अहसास करा दिया। आजादी के बाद उन्होंने अपना जीवन पूर्वी बंगाल (आज का बांग्लादेश) में रचनात्मक सक्रियता में बिताया।

गांधी के रचनात्मक आन्दोलनों से आजीवन जुड़ी रहीं दूसरी महिला थीं, कैथरीन मेरी हेईलमन जिन्हें गांधी ने ही सरला बहन नाम दिया था। ब्रिटेन में पढ़ाई के दौरान गांधी के अहिंसक संघर्ष का विचार उनको आकर्षित करने लगा। बहुत मुश्किलों के बाद गांधी ने उन्हें आश्रम में रहने की अनुमति दी। वे यहां रहकर पूरी तरह भारतीय रंग में ढल गईं और 1941 तक आश्रम में रहीं। बाद में गांधी ने उन्हें कुमाऊं भेजा, जहां उन्होंने श्रमशील, अशिक्षित महिलाओं के बीच लम्बे समय तक काम किया। सरला बहन ने शराबबंदी, खादी, प्राकृतिक खेती और जंगल की रखवाली जैसे कामों से वहां की महिलाओं को जोड़ा। बाद में ये ही महिलाएं विख्यात 'चिपको आंदोलन' की योद्धा बनीं। उन्होंने हिन्दी में बाईस किताबें भी लिखीं।

ऐसी ही एक और शख्सियत थीं, मार्गरेट कजिंस, जिन्होंने गांधी के रचनात्मक कामों और जीवन शैली को अपनाया और महिलाओं की जागृति, शिक्षा, महिला अधिकार और राष्ट्रीय आन्दोलन में योगदान दिया, जेल गईं। उनका अन्तिम संस्कार हिन्दू रीति से हुआ। उनके साथ ही सोंजा श्लेशिन, मार्जरी साइक्स, एश्थर फेयरिंग, मुरियल लिस्टर और मेडलीन स्लेड (मीरा बहन) भी हैं जिन्होंने गांधी के साथ जुड़कर विभिन्न राजनीतिक और रचनात्मक कामों में उनका साथ दिया।

ऊंची शिक्षा और अति प्रभावशाली खानदानों से निकलीं और गांधी से चमत्कृत होकर सारी सुख सुविधाएं छोड़कर आन्दोलनों और सत्याग्रहों में गहरे तक समा गईं कई महिलाएं बहुत से गांधीवादियों से आगे निकल गईं। इनमें पहला नाम है, डॉ. सुशीला नैयर का, जो आज के पाकिस्तान में जन्मीं। दिल्ली के मशहूर 'लेडी हार्डिंग कालेज' से डाक्टरी पढ़कर 1939 में जब वे 'सेवाग्राम' पहुंचीं, तब वहां भयंकर हैजा फैला था। वे इलाज और राहत के काम में जुट गईं। गांधी जी उनकी कम उम्र और सेवा के प्रति निष्ठा से बहुत प्रभावित हुए। डॉ. विधान चन्द्र राय की सलाह पर उन्होंने सुशीला नैयर को अपना निजी डाक्टर ही बना लिया।

सन् 42 के आन्दोलन में सुशीला भी बा और बापू के साथ जेल गईं। महादेव भाई और बा की मृत्यु इसी जेल प्रवास में हुई। इस दौर की डायरी उन्होंने रोज लिखी, गांधी जी ने इसे उपयुक्त माना। उनकी यह डायरी उस वक्त का सबसे भरोसेमंद इतिहास बताती है। 'सेवाग्राम आश्रम' में उन्होंने पहले 'कस्तूरबा अस्पताल' खोला, जो बाद में देश का विख्यात मेडीकल कालेज बना। गांधी के ब्रह्मचर्य के प्रयोग में साझीदार होने की पहली सार्वजनिक स्वीकृति उनकी ही थी। वे बाद में भारत की स्वास्थ्य मंत्री भी रहीं।

ऐसी ही एक दूसरी महिला राजकुमारी अमृत कौर थीं। नाम के अनुरूप वे कपूरथला राजघराने की राजकुमारी थीं जो परिवार के विरोध के बावजूद 'सेवाग्राम' आईं थीं। वे गांधी की निज सहायक भी रहीं। वे आक्सफोर्ड से पढ़ी-लिखी थीं। उन्होंने गांधी से प्रेरणा लेकर परदा-प्रथा का विरोध, देवदासी समाज के कल्याण और बाल-विवाह जैसी कुरीतियों के खिलाफ व्यवस्थित काम किया। बाद में वे 'संविधान सभा' की सदस्य रहीं और आजाद भारत की पहली स्वास्थ्य मंत्री भी। दिल्ली में 'ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस' (एम्स) बनाने की पहल उन्हीं की थी। उन्होंने कई और स्वास्थ्य संस्थान भी बनाने में योगदान दिया। वे ईसाई थीं, लेकिन उनका अन्तिम संस्कार सिख रीति से हुआ।

गांधी के यहां सभी की जगह थी। आर्यसमाजी स्वामी श्रद्धानन्द की पोती सत्यवती, उडीसा के मुख्यमंत्री की पत्नी मालती चौधरी, केरल की अक्कम्मा चेरियन और अम्मू स्वामीनाथन, गांधी की गोद ली बेटी लक्ष्मी, दादा भाई नौरोजी परिवार की चार लड़कियां, गांधी से जूझने वाली बीबी अमतुस्सलाम, जयप्रकाश नारायण की पत्नी प्रभावती, रेहाना तैयबजी, दोस्तों जैसी सरोजनी नायडू, अम्मा जैसी हैसियत वाली आब्दी बानो, 'स्वदेशी आन्दोलन' को आगे बढ़ाने वाली कम पढ़ी-लिखी गंगा बहन सभी गांधी के विशाल परिवार का अन्त तक हिस्सा बनी रहीं। महादेवी वर्मा, सुभद्राकुमारी चौहान, एमएस सुब्बुलक्ष्मी और कमलादेवी चट्टोपाध्याय जैसी साहित्यकार और कलाकार भी गांधी की टोली में रहीं। अरूणा आसफअली, सुभद्रा जोशी, सुचेता कृपलानी जैसी महिलाएं भी गांधी की फौज में थीं, बाद में जिन्होंने देश की राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाई।

अरविन्द मोहन के मुताबिक यह बदलाव अकेले गांधी ने नहीं किया। उनकी सही और संतुलित सोच, अच्छी रणनीति और कई बार औरतों के लिए विशेष अवसर देने का अपना महत्व है, लेकिन असल में यह काम तब सचेत हुई लड़कियों, गांधी और गांधीवादी नेताओं के सम्पर्क में आई महिलाओं ने किया। गांधी के आने और नेतृत्व तक पहुंचने के बाद जिस तरह महिलाएं सामने आईं और हर क्षेत्र में सक्रिय हुईं वह अपने आप में मिसाल है, लेकिन यह किताब गांधी के 'जादू' पर नहीं है। यह उनके प्रभाव से सामने आईं हजारों बहादुर महिलाओं में से कुछ की कहानी पर है। इन्होंने सिर्फ अपना रूपया-पैसा और गहना ही समर्पित नहीं किया, गांधी और मुल्क पर अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

(लेखक लंबे समय तक मध्यप्रदेश के जनसंपर्क विभाग में वरिष्ठ पद पर रहे हैं।)

बेतवा- पार्वती अंचल

सार-समाचार

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न पोषक तत्वों का महत्व समझाया

गंजबासौदा, देशबन्धु। पोषण माह के अन्तर्गत शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल मसूदपुर में शुक्रवार को आयुर्वेदिक शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित डॉ. शिवाजी चतुर्वेदी, डॉ. अरविन्द कनोजिया, डॉ. दीपा साहू ने छात्र-छात्राओं को पोषक तत्वों का महत्व समझाया, विटामिन ए विटामिन बी सी डी ई के आयरन केल्सियम प्रोटीन कार्बोहाड्रेड फास्फोरस सोडियम पोटेशियम फाइबर आदि का महत्व बतलाया। शिवाजी चतुर्वेदी ने बताया कि यदि हमारे भोजन में विटामिन सी नही होगा तब हमारे द्वारा किये भोजन से आयरन तत्व का अवशेषण नहीं होगा। स्वस्थ्य रहने के लिये सभी तत्वों का होना आवश्यक है। हृदय का कार्य और ऋतुचर्या के नियम तथा उचित आहार विहार समझाया गया। शिविर में स्कूल के छात्राओं के अलावा शिक्षकों का भी स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दबाव का वितरण किया गया एवं मौसम में आ रहे बदलाव ऋतु परिवर्तन की जानकारी देते हुए आहार विहार के संतुलन का चार्ट भी छात्राओं को बताया।

यूथ गेम्स की मशाल कल मंडीदीप में

रायसेन, देशबन्धु। खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा मध्य प्रदेश के 7 शहर भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, शिवपुरी, जबलपुर, कटनी एंव रीवा में 1 से 5 अक्टूबर तक 24 खेलो में आयोजित पहले खेलों एम पी यूथ गेम्स की मशाल यात्रा सुबह 10:30 बजे मंडीदीप जिला रायसेन पहुंचेगी। मंडीदीप में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बास्केटबॉल कोर्ट पर जिले की और से माननीया अध्यक्ष नगर पालिका मंडीदीप श्रीमती प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल उसे ग्रहण करेगी। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में संक्षिप्त कार्यक्रम उपरांत मशाल रिले विद्यालय से काम्प्लेक्स चौराह , दुर्गा मंदिर ,मस्जिद चौराहा, गणेश चौक, दुर्गा चौक, रेलवे स्टेशन रोड से होते हुए सतलापुर जोड़ से भोपाल के लिए रवाना होगी। भोपाल से 17 सितंबर को 2 मशाल अलग-अलग मार्ग होते हुए 30 सितंबर को भोपाल पहुंचेगी दोनों मशाल 26-26 ज़िलों का भ्रमण कर राजधानी में शुभारंभ समारोह स्थल पर पहुंचेगी।

आदतन अपराधी जिलाबदर

रायसेन, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अरविन्द कुमार दुबे द्वारा पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर विभिन्न अपराधों में आरोपी गोलू साहू पिता लाल साहब उम्र 32 वर्ष निवासी गंजबाजार थाना कोतवाली जिला रायसेन को चार माह के लिए रायसेन जिले की सीमाओं से निष्कासित किया गया है। आरोपी वर्ष 2006 से लगातार आपराधिक कृत्य में लिप्त है। आरोपी के विरूद्ध विभिन्न अपराधों में 17 प्रकरण पंजीबद्ध हैं। न्यायालय कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा आरोपी गोलू साहू को जिलाबदर करने संबंधी पारित आदेश के अनुसार जिला रायसेन एवं जिला रायसेन के सीमावर्ती जिला भोपाल, विदिशा, सागर, सीहोर, नर्मदापुरम् एवं नरसिंहपुर जिले की राजस्व सीमाओं से चार माह के लिए निष्कासित किया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र भवन का किया लोकार्पण

योजनाओं का लाभ मिलने से सरल बन रहा दिव्यांगों का जीवन: डॉ. चौधरी

रायसेन, देशबन्धु। स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा रायसेन में दशहरा मैदान मार्ग स्थित 292 लाख रू की लागत से निर्मित सामाजिक न्याय विभाग के जिला दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया गया। इसके उपरांत उन्होंने केन्द्र भवन परिसर में आयोजित दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र भवन का लोकार्पण एवं दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का कन्यापूजन और दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित दिव्यांगजनों तथा नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र भवन की आवश्यकता लम्बे समय से थी, जिसका आज लोकार्पण हो गया है। इसमें दिव्यांगजनों के लिए विशेषज्ञों द्वारा चिकित्सा परीक्षण, परामर्श, थैरेपी, दिव्यांगजनों के लिए उपकरण, मानसिक तथा दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए प्रशिक्षण सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दिव्यांजनों के पुर्नवास तथा सुविधाओं के लिए अनेकों योजनाएं संचालित की जा रहीं हैं।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा कि भारत सरकार की एडिप योजना के तहत एलिम्को संस्था द्वारा विकासखण्डों में शिविर लगाकर सहायक उपकरण वितरण हेतु दिव्यांगजनों का चयन कर किया गया है। आज यहां सांची और गैरतगंज विकासखण्ड में आयोजित शिविरों में चिन्हांकित दिव्यांगजनों को मोट्रेट साईकिल, ट्रायसकिल, बैशाखी, श्रवण यंत्र सहित अन्य सहायक उपकरण प्रदान किए जा रहे हैं। इन सहायक उपकरणों से दिव्यांगजनों का जीवन सरल होगा। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि यदि कोई दिव्यांगजन सहायक उपकरण मिलने से शेष रह गए हैं तो उनकी भी सूची बनाते हुए आवश्यक कार्यवाही कर एलिम्को को भेजी जाए, जिससे कि उन्हें भी सहायक उपकरण प्राप्त हो जाएं।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने बताया कि रायसेन जिले में 58 हजार 291 वृद्धजन, 37669 कल्याणा, 14896 दिव्यांगजनों इस प्रकार कुल एक लाख 10 हजार 806 हितग्राहियों को कुल 600 रू प्रतिमाह के मान से कुल 06 करोड़ 56 लाख 32 हजार रू की आर्थिक सहायता के रूप में पेंशन प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा तथा नगर पालिका अध्यक्ष सविता सेन ने भी संबोधित किया।

जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया ने बताया कि इस पुर्नवास केन्द्र भवन की आवश्यकता लम्बे समय से महसूस की जा रही थी। जिले के दिव्यांगजनों को कई कार्यो के लिए भोपाल जाना पड़ता था। दिव्यांगजनों की समस्या को दूर करने के लिए इस भवन की नीव रखी गई थी और अब यह भवन बनकर तैयार हो गया है। जिला पंचायत सीईओ ने जिले में दिव्यांगजनों के लिए संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी द्वारा दिव्यांगजनों का पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया तथा मोट्रेट साईकिल, ट्रायसकिल, बैशाखी, श्रवण यंत्र सहित अन्य सहायक उपकरण प्रदान किए।

मांगे पूरी न होने पर सफाई कामगार हड़ताल पर

गंजबासौदा, देशबन्धु। सफाई कामगारों की प्रदेश व्यापी हड़ताल के चलते नगर के सफाई कामगार हड़ताल पर चले गये हैं । जिसके चलते नगर में 5 दिन से सफाई न होने से कचरे के ढेर सडकों पर लग गए हैं। यदि हड़ताल और लंबी चली और सफाई व्यवस्था सुचारू नहीं हुई तो कचरे के कारण लोगों को घरों से निकलना मुश्किल हो जाएगा ।

मालूम हो कि सफाई कामगारों द्वारा 18 सूत्री मांगों को लेकर पूर्व में ज्ञापन सौंपा गया था। जिसमें चरणबद्ध आंदोलन के साथ हडताल की चेतावनी भी दी गई थी एवं मांगपत्र शासन को भेजा गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय से हस्ताक्षेप कर नगरीय प्रशासन मंत्री के समक्ष आयुक्त नगरीय प्रशासन के साथ बैठकर 18 सूत्रीय मांग पत्र विचार कर समस्याओं का 15 दिवस में समाधान करने का आश्वासन दिया था। जिस पर आंदोलन स्थागित किया था चूंकि मांगो का निराकरण नहीं होने के कारण नगर निगम आयुक्त, मुख्य नगर पालिक अधिकारी को पत्र लिखकर सूचना दी एवं ज्ञापन सौपें। नगर पालिका में 1 दिवसीय धरना दिया। 24 सितंबर को मांगो के निराकरण नहीं माने जाने पर अनिश्चत कालीन सफाई कार्य बंद कर हडताल शुरू हो गई। सफाई कामगार संगठन का कहना है कि अगले चरण में भूख हड़ताल भी शुरू होगी। वहीं विगत दिवस सफाई कामगारों द्वारा एक पैदल रैली भी स्टेशन से नगर पालिका परिषद के लिये निकाली जिसमें नारेबाजी करते हुए एवं हाथों में झाडू लेकर दर्जनों महिला एवं पुरूष सफाई कामगार चल रहे थे।

दूसरे दिन भी जयकारों के साथ होता रहा गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

गंजबासौदा, देशबन्धु। अनंत चतुर्दशी के दूसरे दिन शुक्रवार को भी बेतवा नदी के घाट पर नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु छोटी-बड़ी झांकियों के विसर्जन के लिए पहुंचे। शुक्रवार को भी देर रात तक विसर्जन का यह कार्यक्रम चलता रहा। 10 दिवसीय श्री गणेश उत्सव के दौरान शहर में शताधिक स्थानों पर गणेश पण्डाल लगाए गए थे। जिसमें भगवान गणेश की आकर्षक झांकियां सजाई गई थी। इसके अलावा ग्रामीण अंचलों में भी गणेश उत्सव का आयोजन किया गया। गणेश उत्सव के समापन के अवसर पर प्रशासन ने पूरी तैयारी की थी। इस बार प्रशासन ने गंज घाट पर ही सभी प्रतिमाओं के विसर्जन का एक स्थान सुनिश्चित किया था। शुक्रवार को कई झांकियों पर हवन , यज्ञ एवं कन्या भोज के कार्यक्रम भी संपन्न किए गए। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन से पहले भक्तों ने घाट पर श्री गणेश का विधिवत् पूजन अर्चन कर उन्हे जल में विसर्जित कराकर सुख समृद्धि की कामना की। इसके अलावा विसर्जन कुण्ड के पास श्रद्धालुओं को परेशानी न हो इसके लिए नपा के तैराक वहां पर मौजूद रहे। देर रात पर बेतवा नदी के पुल पर चलने वाले विसर्जन को देखते हुए विद्युत व्यवस्था भी की गई थी। इसके अलावा बर्री घाट रोड पर भी राजेन्द्र नगर, नन्दुपुरा, गुरोद मार्ग से आने वाली गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्था की गई थी। बासौदा सिरोज मार्ग पर यातायात अवरूद्ध न हो इसके लिए भारी वाहनों को नदी के पुल के दूसरी ओर ही रोक रखा था। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी शहर की कई बड़ी झांकियां का विसर्जन शुक्रवार के दिन किया गया।

झिलमिलाती झांकियों को निहारने उमड़ी भीड़, दोहर तक होते रहा विसर्जन

निकला गणेशोत्सव चल समारोह, लोक कलाओं पर केन्द्रीत रही झांकियां

सिरोंज, देशबन्धु। रिद्धि सिद्धि के दाता गणपति के दस दिवसीय उत्सव के समापन की नगर में चारों ओर धूम दिखाई दी। प्रशासन द्वारा बनाए गए कैथन बांध के घाट पर दोपहर से लेकर सुबह तक गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन करने का दौर चलता रहा। इसके साथ ही नगर में परंपरागत रूप से निकले जाने वाले चल समारोह की झांकियों में सनातन संस्कृति और लोक कलाओं की छवि दिखाई दी। नगर का प्रसिद्ध मुख्य चल समारोह गणेश की अथाई का रहा। इस बार के चल समारोह आयोजन की थीम अलग थी। समिति के सदस्यों के साथ चल समारोह का नेतृत्व कर रहे संरक्षक उमाकांत शर्मा ने इस दौरान इस गणेशोत्सव आयोजन से जुड़ी हुई स्मृतियों को ताज करते हुए इसे भव्य और दिव्य रूप देने वाले पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा को भी याद किया। मुख्य झांकी पर बजने वाले गीत पर वह भी समिति के सदस्यों के साथ उनका उत्साहवर्धन करते हुए नाचते हुए राम मंदिर निर्माण की खुशी जताते हुए दिखे।

कुरवाई रोड स्थित चंद्रमोहन सभागार से रात दस बजे प्रारंभ हुए चल समारोह में समिति द्वारा लोक कलाओं की प्रस्तुतियां देती हुई अनेक झांकिया बनाई गई थी लेकिन मुख्य आकर्षण का केंद्र अयोध्या में तैयार हो रहे राम मंदिर और उनमें विराजे भगवान रामलला की झांकी थी। बाल कलाकारों द्वारा तैयार इस झांकी में गीत पर सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी जा रही थी। इसके साथ ही अन्य झांकियों में मुख्य आकर्षण का केंद्र दिल्ली से आए कलाकारों द्वारा भगवान शिव की शादी के अवसर पर उनके गणों द्वारा निकाली जा रही बारात थी। विभिन्न करतबों के साथ नृत्य कर रही भूतों की टोली के दृश्य का समारोह में शामिल शहरवासियों ने खूब आंनद लिया। इसके अलावा अलग अलग ट्रॉलियों पर बने मंच पर बाहुबली हनुमान, लोक कला किंगड़ी,भजन गम्मद,के साथ विमान में सिद्धि विनायक की झांकी शामिल थी। वही फूलों की तोप सभी का स्वागत करते हुए चल समारोह में शामिल थी। नगर के मुख्य बाजार से होते हुए गणेश उत्सव का यह चल समारोह सुबह करीब पाँच बजे जयस्तम्भ चोक सुभाषनगर पहुँचकर सम्पन्न हुआ। इस दौरान प्रमुझ रूप से समिति के सदस्य शिवकुमार मिश्रा, कृष्णबिहारी पांडे, दीनदयाल शर्मा,पदम् ताम्रकार, सरसिज शर्मा,शिवकुमार भार्गव,रमेश यादव सहित दर्जनों कार्यकर्ता संचालन करने के साथ चल समारोह का नियंत्रण व्यस्तता में मुस्तेदी से जुटे दिखाई दिए। सुबह करीब पांच बजे जयस्तम्भ चौक पर चल समारोह के समापन उपरांत गणेश की अथाई पर झांकी स्वरूप में विराजे विशाल गणपति की प्रतिमा के साथ समिति के सदस्य कैथन डेम स्थित घाट पर पहुंचे। मुख्य पुजारी नलिनीकांत शर्मा ने विसर्जन के लिए एकत्रित गणेश प्रतिमाओं की पूजा अर्चना कर विधि विधान के साथ मंगल आरती उतारी। इसके उपरान्त प्रसादी वितरण कर गणपति बब्बा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारों के साथ भगवान गणेश का विसर्जन किया गया।

विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को दिया प्रशिक्षण

रायसेन, देशबन्धु। आगामी विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। जिसमें कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे मास्टर ट्रेनर्स से कहा कि निर्वाचन संबंधी कार्य बहुत महत्वपूर्ण होता है। निर्वाचन कार्य सुगमता से किए जा सकें, इसके लिए निर्वाचन आयोग के निर्देशों की जानकारी होना आवश्यक है। सभी मास्टर ट्रेनर्स पूरी गंभीरता और लगन से प्रशिक्षण प्राप्त करें।

इस प्रशिक्षण में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा जिले की चारों विधानसभाओं के विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को मतदान प्रकिया के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। इन विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा अपनी-अपनी विधानसभा में पीठासीन अधिकारियों तथा मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री अभिषेक दुबे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग तथा एसडीएम श्री मुकेश सिंह सहित संबंधित अधिकारी और मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित रहे।

कलेक्टर सुल्तानपुर तहसील क्षेत्र के मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

रायसेन, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद दुबे द्वारा भोजपुर विधानसभा क्षेत्र के तहत सुल्तानपुर तहसील के अनेक मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार मतदान केन्द्रों पर सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध हों, यह सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री दुबे द्वारा मतदान केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान मतदाता जागरूकता गतिविधियों की भी जानकारी ली गई।

हिंदी दिवस पखवाड़े में हुई प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बांटे पुरस्कार

गंजबासौदा, देशबन्धु। नेहरू युवा केंद्र विदिशा के तत्वाधान में सावित्री महिला मंडल के सहयोग से 14 सितंबर से 29 सितंबर तक हिंदी दिवस पखवाडे का आयोजन किया गया था।यह पखवाड़ा 14 सितंबर से शुरू हुआ था और शुक्रवार 29 सितंबर को खत्म हुआ है। हिंदी दिवस पखवाड़े के अंतर्गत हिंदी भाषा के ऊपर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया जैसे संगोष्ठी निबंध भाषण एक कार्यक्रम अलग-अलग समय में अलग-अलग दिनों में किए गए इस दौरान जो प्रतिभागियों ने भाग लिए उन प्रतिभागियों को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार स्वरूप स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए । कार्यक्रम में मुख्य रूप से सावित्री महिला मंडल की संरक्षक वंदना तिवारी, मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी शर्मा, विद्यालय प्राचार्य काशीराम मालवीय, विद्यालय प्रभारी भैया लाल दुबे, सरिता ठाकुर ,आशा निगम, भूपेंद्र सेन, सरिता दुबे ,अमित शर्मा, कल्पना ओझा, आकांक्षा शर्मा, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे कार्यक्रम में प्रथम एवं द्वितीय प्राप्त स्थान करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

स्टेशन कमांडर के आदेश पर कैन्टीन रातों-रात हुई गायब, पूर्व सैनिकों में आक्रोश

मुरैना, देशबन्धु। मुख्यालय पर स्थित कैंटीन को सैनिक कमांडर ग्वालियर के आदेश पर रातों-रात बंद कर दिया गया और सामान गायब हो गया, जब सुबह पूर्व सैनिक सामान लेने पहुंचे तो कैंटीन गायब मिली और उनमें आक्रोश फैल गया।

उल्लेखनीय है कि कई महीनों से कैन्टीन में सामान नहीं आने के कारण पूर्व सैनिक और वीर नारियां परेशान हो रही थी, किन्तु एक आशा थी कि किसी दिन सामान आएगा और हम सभी को मिलेगा, लेकिन ग्वालियर स्टेशन कमांडर द्वारा समस्या का समाधान न करते हुए मुरैना से कैन्टीन को ही रात के अंधेरे में उठा लिया गया, जबकि चंबल अंचल पूर्व सैनिक संघ ने कैन्टीन में सामान न आ पाने की समस्या के लिए चिट्ठी भी लिखी और उसमें अवगत कराया कि हमारे संगठन को बिना बताये आप कैन्टीन न ले जाए, बाबजूद इसके अंग्रेजों वाली चाल चलते हुए स्टेशन कमांडर ग्वालियर ने रात में कैन्टीन खाली कराकर वापस बुला लिया। ग्वालियर स्टेशन कमांडर कि मनमानी के चलते सैनिकों में रोष है और वे इसका विरोध कर रहे हैं।

पूर्व सैनिकों का कहना है कि हमारी कैन्टीन को किस आधार पर रात्रि के अंधेरे में ले जाया गया, अतः बिना एनओसी के किस आधार पर वापस ले जाया गया। स्टेशन कमांडर को इसका जवाब देना होगा, अगर हमारी चिट्ठी का जवाब नहीं दिया जाता है तो हमें अपने हक के लिए लड़ाई लडनी पड़ेगी। पूर्व सैनिकों ने कहा है कि इसके लिए उन्हें आर्मी हेड क्वाटर तक ही क्यों न जाना पड़े, हम लड़ाई लडकर रहेंगे। पूर्व सैनिकों ने कहा कि हमारे मुरैना जिले में सबसे ज्यादा लगभग 15000 पूर्व सैनिक है और सबसे ज्यादा अवार्ड वाले भी मुरैना में ही है, इन सभी के साथ स्टेशन कमांडर द्वारा विश्वासघात किया गया है।

डंपर ने बाइक को कुचला, एक भाई की मौत, दूसरा घायल

- राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्रामीणों ने 3 घंटे लगाया जाम

मुरैना, देशबन्धु। जिले के रिठौरा थाना अंतर्गत पिपरसेवा चौराहे के पास शुक्रवार की सुबह बाइक से जा रहे दो भाइयों को एक डंपर चालक ने कुचल दिया, जिससे एक की घटनास्थल पर मृत्यु हो गई तथा दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को ग्वालियर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद वाहन चालक वाहन की चाबी लेकर भाग निकला, पुलिस ने डंपर को जप्त कर लिया है। इधर आक्रोशित भीड़ ने नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया, जिससे 3 घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। अब पुलिस द्वारा जाम लगाने वालों पर कार्रवाई की जा रही है।

थाना प्रभारी जितेंद्र दोहरे ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार की सुबह 8:35 बजे सोनू कुशवाह पुत्र रामेश्वर कुशवाह 22 वर्ष निवासी रायरू ग्वालियर अपने भाई पवन कुशवाह के साथ बाइक पर सवार होकर नेशनल हाईवे भारत पेट्रोल पंप के पहले पिपरसेवा चौराहे के पास पहुंचा, तभी एक डंपर चालक ने तेजी एवं लापरवाही से बाइक को टक्कर मार दी, जिससे सोनू कुशवाह की डंपर के नीचे आने से कुचलकर दर्दनाक मौत हो गई, वहीं उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को उपचार के लिए ग्वालियर भर्ती कराया गया है। इधर आक्रोशित परिजनों ने ग्रामीणों के साथ नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया और कार्रवाई की मांग करने लगे। जाम लगभग 3 घंटे चला, जिससे यातायात थम गया गया और पुलिस अधिकारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस द्वारा डंपर को जप्त कर लिया गया है, जबकि उसका चालक चाबी लेकर फरार हो गया। रिठौरा थाना पुलिस ने वाहन चालक के विरुद्ध मामला दर्ज किया है, तो वहीं नेशनल हाईवे पर यातायात को अवरुद्ध करने वाले लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध भी वैधानिक कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है। रिठौरा पुलिस द्वारा मृतक युवक का पीएम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

करंट से अधेड़ व्यक्ति की मौत

मुरैना, देशबन्धु। जिले के पोरसा थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात घर में करंट लगने से एक अधेड़ व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भगवान पुत्र रामकरण सिंह तोमर 55 सिंगपुरा पोरसा को रात्रि में घर पर करंट लग गया, जिसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल उपचार के लिए लाया गया। यहां चिकित्सकों द्वारा चेकअप किया गया, तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। पुलिस द्वारा मृतक अधेड़ व्यक्ति का पीएम कराकर लाश परिजनों को सौंप दी गई है एवं मर्ग कायम कर विवेचना की जा रही है।

ताप्ती तीरे

सार समाचार

न्यायालय परिसर स्थित एक कुंड में किया गणेश प्रतिमा का विसर्जन

हरदा, देशबन्धु। जिला अधिवक्ता संघ द्वारा गणेश उत्सव पिछले 10 दिनों में धूमधाम से मनाया गया । संघ सचिव सुदीप मिश्रा ने बताया कि इन 10 दिनों में सुबह-शाम आरती का आयोजन किया और 56 भोग का आयोजन न्यायमूर्ति गणेश मंदिर परिसर में किया गया। गुरुवार को अंतिम दिन महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया और भगवान गणेश का विसर्जन न्यायालय परिसर में स्थित एक कुंड में किया गया। जिससे समाज में नदियों के पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृप्ति शर्मा सभी न्यायाधीशगण और समस्त कर्मचारी गण और संघ अध्यक्ष संजय कुमार शांडिल्य, उपाध्यक्ष चंदन राजपूत, कोषाध्यक्ष रामचंद्र सोनी, गोपाल कृष्ण जगनवार, रजनीश शर्मा, क्रांति कुमार जैसानी, सुनील तिवारी आनंद बंडावाला मनीष जोशी सहित अधिवक्ता उपस्थित थे।

गणेशोत्सव का घट विसर्जित करने गया युवक ताप्ती में डूबा

बैतूल, देशबन्धु। जिले के बारालिंग में स्थित प्रसिद्ध शिवधाम में गणेश जी का घट विसर्जित करने गया एक युवक ताप्ती नदी में डूब गया। घटना शुक्रवार दोपहर की है। सूचना पर झल्लार पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ को सूचित किया। एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंचकर युवक की तलाश में जुट गई है। इस संबंध में झल्लार थाना प्रभारी मनोज उइके ने बताया कि बोथी गांव निवासी हेमन्त पिता शिवलाल बारस्कर अपने दोस्तों आनंद बारस्कर, गोविन्द बारस्कर, ज्ञानू बारस्कर, रिंकू कासदे, अर्विन मोसिकर, गणेश बारस्कर, नीलेश बारस्कर के साथ गणेश जी का घट विसर्जित करने दोपहर 12 बजे आया था। हेमन्त के दोस्तों के अनुसार हेमन्त ताप्ती नदी के गहरे पानी में चला गया। इस वजह से कोई भी नदी में जाने की हिम्मत नहीं कर पाया और हेमन्त डूब गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल ही पुलिस को सूचना दी। इस पर थाना प्रभारी मनोज उइके के नेतृत्व में झल्लार थाने से पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचा।

महावीर स्वामी वार्ड के हवाई पट्टी से नगर पालिका ने हटवाई बजरी

सारनी, देशबन्धु। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का महावीर स्वामी वार्ड 36 की हवाई पट्टी पर 24 अगस्त को आगमन हुआ था उनकी तैयारी को देखते हुए प्रशासन के माध्यम से हवाई पट्टी पर बजरी बिछाने का काम किया गया था बजरी बिछाने और कई तरह की व्यवस्था की जाने की वजह से हवाई पट्टी पर सुबह और शाम के समय खेल के लिए आने वाले विद्यार्थी एवं सुबह शाम घूमने वाले बुजुर्ग लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था जिसे देखते हुए वार्ड वासियों के माध्यम से मुख्य नगर पालिका अधिकारी,नगर पालिका अध्यक्ष को लिखित एवं मौखिक जानकारी देकर बजरी को हटाने की मांग की गई थी। नपा प्रशासन ने क्षेत्र वासियों की मांग को गंभीरता से देखते हुए हवाई पट्टी पर बिछाए गए समस्त बजरी को हटाने का काम कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने 4559 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया

हरदा का कोई भी गांव नहीं रहेगा असिंचितः शिवराज

प्रदेश का पहला शत प्रतिशत सिंचित जिला बनेगाः पटेल

हरदा, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा है कि प्रदेश की माटी की पूजा और जनता की सेवा ही मेरे जीवन का मकसद है। आज हरदा जिले की धरती पर इतिहास रचा जा रहा है। एक सपना पूरा हुआ है। मोरण्ड गंजाल सिंचाई परियोजना और वीर शहीद इलाप सिंह उद्वहन सिंचाई परियोजना से अब हरदा जिले का कोई भी गांव असिंचित नहीं रहेगा। हरदा शत प्रतिशत सिंचित होगा। जनकल्याण कार्यों में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री चौहान शुक्रवार को हरदा जिले के नेहरू स्टेडियम में आयोजित कृषक सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 4559 करोड़ से अधिक रूपये की लागत के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। जिसमें प्रमुख रुप से 3517 करोड़ रू. की मोरण्ड-गंजाल संयुक्त सिंचाई परियोजना और 720 करोड़ लागत की शहीद इलापसिंह परियोजना का शिलान्यास किया गया। उन्होंने कहा कि सिंचाई परियोजना से विस्थापित हुए ग्राम वासियों को न्यायोचित मुआवजा मिलेगा।

मुख्यमंत्री चौहान ने घोषणा की कि हंडिया का नाम अब नाभिपट्टनम् होगा और हंडिया को नगर परिषद बनाया जाएगा। बिजली की बेहतर व्यवस्था के लिए सर्वे कर सब स्टेशन स्थापित होगा। 5 करोड़ की लागत से हरदा के नए वार्डों का विकास भी किया जाएगा। खिरकिया का भी विकास होगा। इस अवसर पर किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री कमल पटेल, वन मंत्री कुंवर विजय शाह, उप मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश दिनेश शर्मा, सांसद दुर्गादास उईके, विधायक संजय शाह, विधायक सिवनी मालवा प्रेम शंकर वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष गजेंद्र शाह, नगर पालिका अध्यक्ष भारती राजू कमेडिया ,अमर सिंह मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मोरण्ड गंजाल संयुक्त सिंचाई परियोजना के माध्यम से हरदा, नर्मदापुरम व खंडवा जिले के कुल 201 गांवों के 73920 किसानों के खेतों में सिंचाई का लाभ पहुँचेगा। 720 करोड़ की शहीद इलापसिंह परियोजना से हरदा के 118 गांव के किसानों के खेतों में सिंचाई होगी। उन्होंने कहा की प्रदेश की बेहतर सिंचाई सुविधा से लाभान्वित हो किसान अब वर्ष में तीन फसल ले रहे है। समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी का चमत्कार भी किया है। किसानों के चेहरे पर अब खुशी झलक रही है। किसानों के हित में मध्यप्रदेश सरकार निरन्तर विकास के कार्य कर रही है। सड़क, पुल पुलिया, अस्पताल, सीएम राईज स्कूल, आईटीआई सहित सभी कार्य तेजी से किये जा रहे है। पहले किसानों को 16 प्रतिशत ब्याज पर कर्जा मिलता था, अब 0 प्रतिशत पर कर्ज मिल रहा है। सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 2 लाख 72 करोड़ रूपये किसानों के खाते में डाले गये है। किसानों के बड़े हुए बिजली बिल स्थगित किये गये है। किसानों को किसान सम्मान निधि के 6 हजार रूपये केन्द्र सरकार से और 4 हजार के स्थान पर 6 हजार प्रदेश सरकार द्वारा दिये जायेंगे। इस प्रकार किसानों को सालाना 12 हजार रूपये की राशि प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शासन की योजना किसी जाति या धर्म के लिये नहीं है, सभी वर्ग के कल्याण के लिए है। निःशुल्क राशन योजना, आवास योजना, आयुष्मान योजना से निशुल्क उपचार इत्यादि योजनाओं का सभी वर्गों को लाभ मिल रहा है। उन्होने कहा कि बच्चों की पढ़ाई के लिये कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। 75 प्रतिशत अंक वाले विद्यार्थियों को लेपटॉप, 12 वी में अपने गांव स्कूल में पहले नम्बर आने वाले विद्यार्थियों को स्कूटी दी जा रही है। जिससे बच्चों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा निर्मित होगी। बच्चे आगे बढ़ें, इसके लिये उच्च शिक्षा, मेडिकल, इंजीनियरिंग, लॉ की पढ़ाई के लिये फीस माता पिता नहीं और सरकार भरेगी। उन्होने कहा कि सीएम राइज स्कूल प्राइवेट स्कूल से कई गुना बेहतर हैं। पढ़ाई का स्तर ऊँचा करने के लिये हर आवश्यक कदम उठाएं हैं।

मुख्यमंत्री चौहान ने हरदा को विकसित बनाने के लिए कृषि मंत्री कमल पटेल, सांसद डी.डी. उइके एवं विधायक संजय शाह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को बेहतर कार्य के लिए धन्यवाद दिया। कृषि मंत्री कमल पटेल ने कहा कि आज हरदा जिले के लिए ऐतिहासिक दिन है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में हरदा जिला प्रदेश का पहला शत प्रतिशत सिंचित जिला बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को फसलों की सिंचाई की समस्या से निजात दिलाने का उनका सपना आज पूरा हुआ है। मुख्यमंत्री चौहान प्रदेश के गरीबों ,किसानों, युवाओं, वृद्धजनों बेटा बेटियों सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए दिन-रात 24 घंटे काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री चौहान के नेतृत्व में प्रदेश की तस्वीर और तकदीर बदली हैं। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में महिलाओ को सम्मान मिलने के साथ बेटियां जन्म के साथ लखपति हो रही हैं। जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच रहा हैं। यहां विकास की अविरल धारा प्रवाहित हो रही है।

शिक्षकों को विज्ञान से जानने का दिया वर्चुअल प्रशिक्षण

मुलताई, देशबन्धु। विज्ञान की छोटी-छोटी तकनीक का उपयोग करके ढोंगी बाबा इसे चमत्कार का रूप देते है। गरीबों को लूटते है और इसका शिकार सिर्फ अशिक्षित ही नही शिक्षित लोग भी होते हैं। लोगों में विज्ञान के प्रति समझ पैदा हो इसके लिए सी.एम राइज़ उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय मुलताई में विज्ञान प्रदर्शनी अंतर्गत विज्ञान के प्रति जागरूकता अभियान जादू नहीं, विज्ञान है, समझना समझाना आसान है के तहत वर्चुअल प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा जिले के समस्त हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलो के विज्ञान शिक्षकों को वर्चुअल प्रशिक्षण दिया गया । जिसमें संपूर्ण जिले के शिक्षकों ने जाना कि कैसे मानव कंकाल पानी पी लेता है। सफेद कागज पर अंक कैसे उभरने लगते हैं। अंडे के सीधे खड़े रहने का विज्ञान क्या है। आर के मालवीय उपप्राचार्य मास्टर ट्रेनर ने बताया कि समाज में व्याप्त अंधविश्वास को दूर करने के लिए प्रत्येक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी होगी । प्रशिक्षण का वर्चुअल प्रसारण सी एम राइज़ स्कूल मुलताई से किया गया ।इसमें आर पी सूर्यवंशी, प्रदीप कुबड़े ,ब्रजमोहन अग्रवाल, विनायक नागले, अमरलाल खपरिये, संदीप तारे, दिनेश मगरदे, टी आर खंडाइत ने सहयोग दिया ।

घरों में गणेश विसर्जन कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मुलताई, देशबन्धु। विगत 10 दिनों से गणेश उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। शुक्रवार भी मुलताई नगर सहित आसपास क्षेत्र में गणेश विसर्जन का दौर जारी रहा। मुलताई नगर के ड्रिमलैंड सिटी में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए घरों में ही भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। मयूर और मयंक बोरखेडे ने बताया कि उनके घर प्रतिवर्ष मिट्टी की गणेश प्रतिमा की स्थापना की जाती है। जिसकी विधि विधान से पूजा अर्चना कर घर के सामने ही पानी के टब में प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है और विसर्जन के बाद पानी में घुली हुई मिट्टी को निकाल कर पौधों में डाल दिया जाता है। प्रतिमा के ऊपर केमिकल वाले रंग होने से इन प्रतिमाओं को तालाब या डेम में विसर्जन करने से पर्यावरण प्रदूषण होता है। जिससे बचने प्रतिवर्ष घर के सामने ही टब में भगवान गणेश का विसर्जन किया जाता है।

विधायक पंडाग्रे ने किया कई विकास कार्यों का भूमिपूजन

आमला, देशबन्धु। विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने शुक्रवार को आमला क्षेत्र में करोड़ों के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। ग्राम बम्हनी में लाख से बनने वाले सामुदायिक भवन का भूमिपूजन, ग्राम बांगा में राशि 2.50 लाख की लागत से बनने वाले सांस्कृतिक मंच का भूमिपूजन, ग्राम मोरखा में बेल नदी पर बैराज राशि 3 करोड़ 77 लाख रुपए, विधायक निधि से स्वीकृत 3.50 लाख रुपए की बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य का भूमिपूजन तथा नवीन आंगनबाड़ी भवन राशि 9.50 लाख तथा सोसायटी भवन लागत राशि 10.00 लाख का लोकार्पण किया। ग्राम कुजबा में मोक्षधाम मार्ग पर 29 लाख रुपए से स्वीकृत पुलिया निर्माण कार्य के भूमिपूजन के साथ ही ग्राम खेड़लीबाजार में हाई स्कूल बाउंड्री वॉल राशि 12.00 लाख का भूमिपूजन, बेल नदी पर घाट निर्माण कार्य राशि 10.00 लाख का भूमि पूजन एवं नवीन प्राथमिक शाला भवन राशि 10.00 लाख का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. योगेश पंडाग्रे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजिन की सरकार आमला क्षेत्र के विकास के लिए सतत कार्य कर रही है। इस अवसर पर जनपद पंचायत आमला के अध्यक्ष गणेश यादव उपाध्यक्ष किसन सिंह रघुवंशी मंडल अध्यक्ष यदुराज रघुवंशी,ललित साहू, महेश मर्सकोले, आनंद यदुवंशी,अतुल पारखे, जनपद सदस्य राजेश पहाडे, निलेश साहू जनपद सदस्य, बलराम रघुवंशी,योगेश रघुवंशी,नरेंद्र सूर्यवंशी, कैलाश साहू, महेश डागे, एवं समस्त भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थिति थे।

आंगनबाड़ी और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने दिया धरना

मुलताई, देशबन्धु। प्रभात पट्टन तहसील मुख्यालय पर शुक्रवार प्रांतीय महिला स्व सहायता समूह महासंघ से जुड़ी हुई आंगनबाड़ी एवं स्कूलों में महिला स्व सहायता समूहों की महिलाओं ने तहसील कार्यालय के सामने बैठकर धरना दिया। अपनी 12 सूत्री मांगों को लेकर उन्होंने धरना प्रदर्शन किया। जिन में मुख्य रूप से भोजन पकाने की लागत दर बढ़कर ?10 करने एवं खाद्यान्न 100 ग्राम से बढ़ाकर 200 ग्राम करने सहित प्रति छात्र भोजन पकाने की दर बढ़ाई जाने की मांग की गई। उन्होंने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूह को शत प्रतिशत मध्यान भोजन संचालन कार्य सौपा जाए। स्कूल और छात्रावास शाला प्रबंधन समिति शिक्षक या अधीक्षक शिक्षकों के द्वारा मध्यान भोजन संचालन करने में छात्रों का शिक्षण कार्य बाधित होता है। जिसमे शिक्षकों का ध्यान शिक्षण कार्य में नहीं लगता, जिसका ख्याल रखा जाए। आंगनबाड़ी केंद्र एवं शालाओं में संचालित समिति समूह एवं रसोई बहिनों को खाद्यान्न एवं राशि तीन-चार माह तक प्राप्त नहीं होती है। इस कारण भोजन संचालन बाधित होता है। अत: 2018 के अनुरूप माह के प्रथम सप्ताह में आवंटन प्रधान किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उपरोक्त मांगों को लेकर पहले भी कई बार धरना प्रदर्शन और आंदोलन किया जा चुका है। यदि जल्द से जल्द उनकी मांगे पूरी नहीं की जाती है तो वह फिर से आंदोलन करने के लिए मजबूर रहेगी।

मारपीट मामला: मां को 2 साल और बेटी को 4 माह का सश्रम कारावास

मुलताई, देशबन्धु। आवागमन वाले मार्ग पर शौच करने की बात को लेकर हुए विवाद में तीन महिलाओं के साथ मारपीट करने वाली आरोपी महिला और उसकी पुत्री को द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने दोषी ठहराते हुए आरोपी महिला को दो साल के सश्रम कारावास और उसकी पुत्री को चार माह के सश्रम कारावास की सजा से दंडित किया है। सरकारी वकील राजेश साबले ने बताया मुलताई थाना क्षेत्र के ग्राम देवडोंगरी निवासी चंद्रकला ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था, कि 13 सितंबर 2020 को सुबह 10 बजे के दरमियान रोड पर शौच कर रही रामप्यारी को घर के सामने शौच करने से मना किया। तो रामप्यारी ने अपशब्दो का प्रयोग करते हुए विवाद किया और घर के सामने पड़ा पत्थर उठाकर फरियादी चंद्रकला के सिर पर मार दिया। उसी दौरान छाया बीच बचाव करने आई तो रामप्यारी की पुत्री होलिका भी मौके पर आ गई और होलिका ने छाया को पीछे से सिर पर पत्थर मार दिया और बीच बचाव करने आई छाया की जेठानी पुष्पा के साथ भी दोनो मां बेटी ने मारपीट की। मारपीट से चंद्रकला और छाया के सिर में गंभीर चोट आई। पुष्पा के मुंह और छाती में चोट आई थी । घटना की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी रामप्यारी पति सुखिया सोलंकी और उसकी पुत्री होलिका पिता सुखिया सोलंकी दोनो निवासी ग्राम देव डोंगरी के खिलाफ धारा 294, 323, 506 ,307 और34 के तहत केस दर्ज कर विवेचना उपरांत प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया । न्यायाधीश ने प्रकरण की सुनवाई उपरांत आरोपी रामप्यारी सोलंकी को धारा 325 के तहत दोषी ठहराते हुए 2 साल के सश्रम कारावास और धारा 323 के तहत चार माह के सश्रम कारावास और 500 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है और आरोपी होलिका सोलंकी को धारा 323 के तहत दोषी ठहराते हुए दो बार चार माह के सश्रम कारावास और अर्थदंड से दंडित किया है।

गणेश प्रतिमाओं का धूमधाम के साथ किया विसर्जन

सारनी, देशबन्धु। नगर पालिका क्षेत्र में शुक्रवार को भी भगवान गणेश की प्रतिमा ढोलक की थाप और डीजे की धुन पर नाच गाकर विसर्जन करने का काम किया गया ।बताया जाता है कि 30 सितंबर से पितृपक्ष लगेगा ऐसी स्थिति को देखते हुए सार्वजनिक गणेश पंडाल के पदाधिकारी के माध्यम से शुक्रवार को भी दोपहर से लेकर देर शाम तक भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन करने का सिलसिला जारी रहा। प्रतिमा का विसर्जन छठ घाट पर किया गया और किसी भी तरह की कोई घटना ना हो इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन के माध्यम से संपूर्ण झांकी एवं सार्वजनिक गणेश पंडाल के कार्यक्रम में पुलिस चौकसी के रूप में तैनात रही शुक्रवार को सारनी,पाथाखेड़ा, शोभापुर,बगडोना और ग्रामीण क्षेत्रों में भी भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया जाने का सिलसिला जारी रहा। हालांकि विद्युत नगरी सारनी के तिलक वार्ड क्रमांक 10 में भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन रविवार को किया जाएगा।

10 चुनावों में 6 चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी रहे है विजयी, इस बार भी भाजपा और कांग्रेस में ही सीधा मुकाबला होने की संभावना

भाजपा का गढ़ बन चुकी आमला विधानसभा सीट

सारनी/बैतूल, देशबन्धु। जिले में अनुसूचित जाति के लिए आमला विधानसभा आरक्षित सीट है। सन 1977 में आमला विधानसभाक्षेत्र अस्तित्व में आया और उसके बाद वर्ष 2008 में सीमांकन हुआ जिसमें मसोद विधानसभा क्षेत्र को समाप्त कर मुलताई विधानसभा बनाई गई लेकिन अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आमला विधानसभा यथावत बनी रही, वर्ष 2008 के बाद से अभी तक पिछले 15 वर्षों से भाजपा के विधायक इस विधानसभा में अपना परचम लहरा रहे हैं।

कांग्रेस से हर 5 वर्षों में अपना उम्मीदवार बदल दिया जाता है जिसकी वजह से कांग्रेस का प्रत्याशी आमला विधानसभा क्षेत्र में अपना जादू नहीं बता पा रहे हैं। इसके अलावा कांग्रेस बंटी होने के कारण वर्ष 2008 के बाद लगातार नुकसान उठा रही है। सारनी क्षेत्र वर्ष 2008 के पूर्व घोड़ाडोंगरी विधानसभा में था। परिसीमन होने के बाद सारनी सहित 14 पंचायत के लगभग 65 गांव को आमला विधानसभा क्षेत्र में जोड़ा गया। परिसीमन के बाद प्रथम चुनाव 2008 में कांग्रेस और भाजपा के बीच हुआ जिसमें भाजपा से चेतराम मानेकर चुनावी मैदान में थे जबकि कांग्रेस से किशोर बरदे। लेकिन वर्ष 2008 में कांग्रेस प्रत्याशी किशोर बरदे को 30 हजार 546 मत से हर का सामना करना पड़ा, दूसरा चुनाव वर्ष 2013 में हुआ जिसमें भाजपा से चेतराम मानेकर प्रत्याशी रहे और कांग्रेस से सुनीता बेले लेकिन इस बार कांग्रेस को बुरी तरीके से हार का सामना करना पड़ा और लगभग 39 हजार 602 मतों से हार हो गई। वर्ष 2018 में भाजपा ने अपना प्रत्याशी बदल दिया। दो बार आमला विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे चेतराम मानेकर की टिकट को काटकर उनके स्थान पर डॉक्टर योगेश पंडाग्रे को प्रत्याशी बनाया जबकि कांग्रेस से मनोज मालवे को चुनावी क्षेत्र में उतरा गया जिसकी वजह से भाजपा का मत प्रतिशत 9.09 प्रतिशत घटा उसके बाद भी कांग्रेस विजय नहीं प्राप्त कर पाई। वर्ष 2008-13 के विधानसभा चुनाव की अपेक्षा वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का मत प्रतिशत बढ़कर 34 प्रतिशत के पास हो गया इस तरह कांग्रेस के प्रत्याशी मनोज मालवे को इस चुनावी क्षेत्र में 54 हजार 284 मत प्राप्त हुए, उसके बाद भी कांग्रेस को 19 हजार 197 मत से हार का सामना करना पड़ा इस बार कांग्रेस किसे प्रत्याशी बनाएगी अभी तक नाम का खुलासा नहीं किया गया है।

भाजपा और कांग्रेस से प्रमुख दावेदार: भाजपा के 5 वर्षों का आमला विधानसभा क्षेत्र से डॉक्टर योगेश पंडाग्रे के बेहतर प्रदर्शन से उन्हें 82 प्रतिशत टिकट मिलने की संभावना व्यक्त की जा रही है, जबकि भाजपा से ही पूर्व विधायक चेतराम मानेकर, आमला क्षेत्र के दिग्गज नेता अशोक नागले पार्टी से टिकट मांग कर चुके है। हालांकि आमला विधानसभा सीट पर अभी तक उम्मीदवार की घोषणा नहीं की गई है, जबकि जिले की पांच विधानसभा सीट में से तीन सीट पर प्रत्याशियों की घोषणा की जा चुकी है।

कांग्रेस से यह मांग रहे टिकट: आमला विधानसभा अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित है। कांग्रेस से 10 प्रत्याशी चुनाव में टिकट मांग रहे हैं। जबकि क्षेत्र में तीन नामों की सबसे ज्यादा चर्चा हैं जिसमें पूर्व डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे, पूर्व प्रत्याशी मनोज मालवे और नगर पालिका परिषद सारनी वार्ड क्रमांक 4 की पार्षद किरण झारबडे का नाम सुर्खियों में चल रहा है। प्रत्याशी किसे घोषित किया जाएगा इसको लेकर कोई भी संकेत नहीं दिए गए हैं। हालांकि पूर्वक कैबिनेट मंत्री सुखदेव पांसे की पहली पसंद मनोज मालवे को माना जा रहा है।

4 बार विजयी रही कांग्रेस: 1977 में बनी आमला विधानसभा सीट जो अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है में अभी तक 10 बार चुनाव हो चुके हैं। जिनमें 6 बार भाजपा और 4 बार कांग्रेस के उम्मीदवार जीते हैं। इस विधानसभा क्षेत्र में 264 गांव और दो नगर पालिका है। कांग्रेस शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में अपने कार्यकर्ता और पदाधिकारी सक्रिय नहीं कर पाई है। इस वजह से कांग्रेस के इस बार भी चुनावी मैदान में बेहतर प्रदर्शन की संभावना कम मानी जा रही है। वर्तमान समय में सारनी क्षेत्र में ब्लॉक अध्यक्ष भी ऐसे व्यक्ति को बनाया गया है जिसका जनाधार नहीं है। भाजपा ने इस सीट पर 1977 मधुकर पारधी,1980 में मारोतीराव वामनकर, 1985 एवं 1990 में कन्हैयालाल ढोलकर, 1993 में अशोक नागले, 1998 में हीरालाल चंदेलकर,2003 में लालमन पारदे,2008 और 2013 में चैतराम मानेकर तथा 2018 में डॉ.योगेश पंडाग्रे को मैदान में उतारा जिनमें कन्हैयालाल ढोलेकर, हीरालाल चंदेलकर, चैतराम मानेकर और योगेश पंडाग्रे विजय रहे।

सार समाचार

गर्ल्स कॉलेज की छात्रा हेमा पटेल का शतरंज प्रतियोगिता में संभाग में चयन

इटारसी देशबन्धु। भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय सुखतवा में जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में जिले की लगभग दस टीमों ने भाग लिया। शासकीय कन्या महाविद्यालय इटारसी की छात्रा हेमा पटेल, सुहानी बड़कुर, सुरभि राजपूत एवं पलक पूर्वी ने भी प्रतियोगिता में भाग लिया। महाविद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। क्रीड़ाधिकारी डॉ. मुकेश चंद्र बिष्ट ने बताया कि हेमा पटेल का चयन जिले की टीम में हुआ है, वह नर्मदापुरम जिले का प्रतिनिधित्व कर 05 अक्टूबर 2023 को लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय गंजबासौदा, विदिशा में संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेगी। प्राचार्य डॉ. आरएस मेहरा ने छात्रा को बधाई प्रेषित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. हरप्रीत रंधावा, श्रीमती मंजरी अवस्थी, डॉ. संजय आर्य, स्नेहांशु सिंग, रविन्द्र चौरसिया, डॉ. शिरीष परसाई, डॉ. नेहा सिकरवार आदि सभी प्राध्यापकों ने बधाई प्रेषित की।

पितृपक्ष पूर्णिमा से शुरू हुआ श्राद्ध पक्ष

नर्मदापुरम देशबन्धु। पितृपक्ष पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को हजारों श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा में स्नान कर आस्था की डुबकी लगाई। नर्मदा में स्नान के साथ ही कई लोगों ने अपने पूर्वजों का तर्पण कर उनसे आशीर्वाद लिया। सुबह से सेठानी घाट, विवेकानंद घाट पर बड़ी संख्या में लोग तर्पण करने पहुंचे। प्रतिदिन 16 दिनों तक घाट पर तर्पण और श्राद्ध होंगे। पंडित श्याम सुंदर दुबे ने बताया पितृपक्ष में किए गए तर्पण से पूर्वजों का आशीर्वाद मिलता है। घर में हमेशा सुख-शांति बनी रहती है इस बार पितृ पक्ष 29 सितंबर से शुरू होकर 14 अक्टूबर तक चलेंगे। श्राद्ध का अर्थ है जो श्रद्धा से किया जाए उसका नाम श्राद्ध है। वैसे तो साल के 365 दिन ही पितरों के लिए तर्पण होना चाहिए, लेकिन यह 16 दिन पित्रों के लिए विशेष रहते हैं। इन दिनों में किया गया दर्पण पिंडदान भोजन, दान पितरों को शांति प्रदान करता है।

तवा कॉलोनी में 41 करोड़ के सीएम राइस स्कूल का भूमिपूजन

विधायक बोले, कांग्रेस को नहीं दिखता क्षेत्र का विकास

इटारसी देशबन्धु। मप्र विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आज यहां तवा कालोनी में सीएम राइज स्कूल भवन के लिए भूमिपूजन किया। सीएम राइज स्कूल के सर्वसुविधायुक्त भवन का निर्माण 41 करोड़ रुपए की लागत से अगले 18 माह में किया जाएगा।

इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे, मप्र तैराकी संघ अध्यक्ष पीयूष शर्मा, जनपद पंचायत नर्मदापुरम के अध्यक्ष भूपेन्द्र चौकसे, जिला भाजपा महामंत्री मुकेशचंद्र मैना, नगर पालिका उपाध्यक्ष और स्थानीय पार्षद निर्मल सिंह राजपूत, सीएम राइज स्कूल में विधायक प्रतिनिधि गोविन्द बांगड़, प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती बाधवा, एमजीएम कालेज जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष डॉ.नीरज जैन, महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष जागृति भदौरिया, पीआईयू के कार्यपालन यंत्री मयंक शुक्ला और एसडीओ नेहा राठौर सहित अन्य अनेक नेता, नगर पालिका पार्षद, स्कूलों के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं और स्कूली बच्चे भी मौजूद रहे। संचालन जयकिशोर चौधरी, आभार प्रदर्शन भाजपा पुरानी इटारसी मंडल के अध्यक्ष मयंक मेहतो ने किया।

मोदी व शिवराज का आभार

विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा ने अपने संबोधन में नयी शिक्षा नीति और सीएम राइज स्कूल के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि नयी शिक्षा नीति की नयी परिकल्पना से सीएम राइज स्कूल की शुरुआत हुई। सीएम राइज स्कूल में खेल मैदान, सभी विषयों के प्रशिक्षित टीचर्स, स्मार्ट क्लास, गांवों से बच्चों को लाने के लिए बस उपलब्ध रहेंगी। यहां 12 वी तक के बच्चे अध्ययन करेंगे और ये स्कूल प्रायवेट स्कूलों के मुकाबले बेहतर साबित होंगे।

बैठने तक की व्यवस्था नहीं थी

विधायक डॉ. शर्मा ने कहा कि जब वे पहली बार विधायक बने थे तो स्कूलों में अच्छी शिक्षा तो दूर, टीचर्स और विद्यार्थियों के बैठने तक की ठीक से व्यवस्था नहीं थी। हम स्वयं फट्टियों पर बैठे हैं और कई स्कूलों में तो यह भी उपलब्ध नहीं होती थीं। हमने स्कूलों में फर्नीचर उपलब्ध कराये, स्कूल भवनों का निर्माण कराया और टीचर्स के लिए भी बैठने के लिए व्यवस्थाएं कीं। उन्होंने कहा कि सीएम राइज स्कूल का एक अच्छा और मजबूत भवन होगा और अच्छे शिक्षक होंगे जो बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा देंगे।

विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा ने कहा कि कांग्रेस को विकास नहीं दिखता है। विधानसभा क्षेत्र में स्टेडियम बने, ओवरब्रिज बने, दहशरा मैदान बने, सीएम राइज स्कूल बन रहे हैं, बावजूद इसके कांग्रेस को विकास नहीं दिखता क्योंकि कांग्रेसियों की आंखों पर राहुल गांधी की पट्टी बंधी है जो उतर नहीं सकती। उसे तो केवल इस देश की जनता ही उतार सकती है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस सत्ता में आती है तो पैसा नहीं होने, खजाना खाली होने का बहाना बनाकर काम रोक देंगे। यह पंद्रह महीने की सरकार में वे कर चुके हैं।

भविष्य निर्माण की नींव रखी जा रही

मध्यप्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा ने मध्यप्रदेश सरकार के मुखिया शिवराज सिंह चौहान और विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके कारण ही विधानसभा में करोड़ों रुपए के विकास कार्य हुए और हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएम राइज स्कूल के इस भूमिपूजन के माध्यम से अच्छी शिक्षा की दिशा में पहल ही नहीं हो रही है, बल्कि आज स्कूल के भूमिपूजन के माध्यम से हम सभी देश के भविष्य निर्माण की नींव रख रहे हैं। उन्होंने इसके लिए प्रदेश सरकार को धन्यवाद दिया।

संभाग में ऐसा प्रायवेट स्कूल नहीं होगा

नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि पूरे संभाग में इस तरह का कोई प्रायवेट स्कूल नहीं होगा, जैसा सीएम राइज स्कूल का भवन बन रहा है। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें ऐसे विधायक मिले जिनका संपूर्ण परिवार शिक्षा के लिए समर्पित है। उन्होंने सीएम राइज स्कूल की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद दिया और नयी शिक्षा नीति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी आभार व्यक्त किया है।

फोटो...29 आईटी 2,3

समाज में पहचान उसी की होती है, जो अलग करके दिखाते हैं: यादव

नर्मदापुरम देशबन्धु। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मप्र भोपाल तथा केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी 2023 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनजातीय कार्य विभाग के शिक्षकों एवं प्राचायों का सम्मान कन्या शिक्षा परिसर पवारखेड़ा में आयोजित समारोह में संभागीय उपायुक्त जेपी यादव ने किया। सम्मान कार्यक्रम में उन शिक्षकों का सम्मान किया गया जिन्होंने हाईस्कूल परीक्षा में 80 प्रतिशत या उससे अधिक परीक्षा परिणाम दिया तथा उनके विषय में प्रथम श्रेणी में 50 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थी सफल हुए। हायर सेकेण्डरी अंतर्गत 60 प्रतिशत परीक्षा परिणाम तथा 50 प्रतिशत या उससे अधिक प्रथम श्रेणी में सफल हुए।

भाजपा में शामिल होने की अटकलों पर कांग्रेस विधायक ने कहा भ्रामक खबर

नर्मदापुरम देशबनधु। जिला नरसिंहपुर के तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक व वरिष्ठ नेता संजय शर्मा के भाजपा में जाने की खबर सोशल मीडिया और कुछ अखबारों में प्रकाशित होकर जमकर वायरल हो रही थी। जिस पर विधायक संजय शर्मा ने ही पूर्ण विराम लगा दिया है। तेंदूखेड़ा कांग्रेस विधायक संजय शर्मा ने इसे अफवाह बताया है। तेंदूखेड़ा विधायक शर्मा ने कहा कि यह गलत जानकारी है। भ्रामक खबर फैलाई जा रही है कि मैं भाजपा में शामिल हो रहा हूं। हम लोग तीन दिनों से लगातार कांग्रेस की जनआक्रोश यात्रा में है, तो इनको लग रहा है कि सभी जगह कांग्रेस बहुत अच्छी स्थिति में पहुंच रही है। इसलिए भाजपा इस प्रकार की खबरें अखबारों में लगाकर लोगों को भ्रमित कर रही है। भाजपा के बहुत से लोग हजारों की संख्या में कांग्रेस में शामिल होने वाले है, इसका डर उन्हें लग रहा है। इसका डर उन्हें लग रहा है।

ट्वीट कर गैर जिम्मेदार पत्रकारों को लिया आड़े हाथः- विधायक संजय शर्मा ने अपने ट्वीट पर एक पोस्ट की है जिसमें उन्होंने लिखा है कि पिछले कुछ दिनों से कुछ तथाकथित गैर जिम्मेदार पत्रकारों द्वारा बिना किसी पुष्टि के बिना किसी ठोस जानकारी के मेरे खिलाफ भाजपा ज्वाइन करने संबंधी भ्रामक अफवाहें प्रकाशित, प्रचारित एवं प्रसारित की जा रही है, जो कि पूर्णतः असत्य एवं निराधार हैं। इस तरह की भ्रामक खबरें कार्यकर्ताओं के मनोबल पर आघात करती हैं जोकि असहनीय है। चूंकि मेरे प्रयासों से हजारों की संख्या में भाजपा छोड़कर लोग कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं एवं बहुत ही जल्दी अनेक लोग व नेता भी कांग्रेस पार्टी में शामिल होने वाले हैं।

उन्हें भ्रमित करने के लिए यह ओछी मानसिकता के प्रयास किए जा रहें हैं। मैं सिरे से इन अफवाहों को खारिज करता हूं एवं आप सभी साथियों को आश्वस्त करता हूं कि मैं कांग्रेस का निष्ठावान सिपाही हूं एवं रहूंगा।

प्रदेश के निर्णय को जिले के पटवारियों ने नकारा

जब तक लिखित आदेश नहीं, हड़ताल जारी रहेगी

- **प्रदेश अध्यक्ष और महामंत्री के मोबाइल हो गये बंद**

इटारसी देशबन्धु। मध्यप्रदेश पटवारी संघ भोपाल के आह्वान पर चल रही प्रदेश के पटवारियों की हड़ताल समाप्ति की घोषणा प्रदेशाध्यक्ष उपेन्द्र सिंह ने कर दी, लेकिन प्रदेश के इस निर्णय को नर्मदापुरम जिला की कार्यकारिणी ने यह कहते हुए नकार दिया है कि जब तक लिखित आदेश नहीं मिलेंगे, हड़ताल जारी रहेगी। कार्यकारी जिलाध्यक्ष ने कहा कि यदि आज शाम तक आदेश लिखित में मिले तो आज ही खत्म, अन्यथा जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि विगत 32 दिनों से मध्यप्रदेश के पटवारी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। आज प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह बाघेल का एक पत्र सोशल मीडिया पर आया कि तीन दिन से लगातार मुख्यमंत्री, राजस्व मंत्री, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव से मुलाकात और वार्ता के बाद सरकार ने हमारी मांगों के संबंध में निर्णय पर अपनी सहमति दी है। उन्होंने लिखा कि आज शाम तक सभी साथी अपने जिला और तहसील मुख्यालय पर अपनी उपस्थिति दें। उन्होंने इसे संघ की बड़ी जीत बताते हुए सभी पटवारियों को बधाई दी।

जिला इकाई की असहमतिः- इधर इस निर्णय पर जिला इकाई ने असहमति जतायी। संघ के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष देवेन्द्र जाटव के पत्र में सभी तहसील अध्यक्षों को संबोधित कर कहा गया है कि पटवारी संघ की हड़ताल समाप्त नहीं की जाए। मप्र पटवारी संघ भोपाल के आह्वान पर 28 अगस्त से हड़ताल जारी है। आज प्रांताध्यक्ष द्वारा हड़ताल स्थगन का आदेश जारी किया है, जिससे जिला नर्मदापुरम सहमत नहीं है। जिले के समस्त पटवारियों की भावना से सहमत होते हुए मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि प्रांताध्यक्ष के पत्र में शामिल आश्वासन पर जब तक शासन द्वारा लिखित आदेश नहीं हो जाते, जिला नर्मदापुरम अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बना रहेगा।

बंद हैं दोनों मोबाइलः- इस संबंध में जब मध्यप्रदेश पटवारी संघ भोपाल के प्रांताध्यक्ष उपेन्द्र सिंह बाघेल और महामंत्री उमेश शर्मा को मोबाइल पर संपर्क करना चाहा तो दोनों के मोबाइल बंद मिले।

इनका कहना हैः- अभी हमारे पास लिखित में कुछ नहीं आया है। यह हड़ताल लिखित आदेश जारी होने तक चलेगी। आज शाम को आदेश मिले तो आज ही खत्म कर देंगे अन्यथा जारी रहेगी।

देवेन्द्र जाटव, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष।

प्रशिक्षणः निर्वाचन प्रक्रिया के बारे में दी गई जानकारी

नर्मदापुरम देशबन्धु। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह के निर्देशों के अनुरूप विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत जिले में मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण 29 सितंबर से प्रारंभ हुआ। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिवनीमालवा में आयोजित प्रशिक्षण में पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी क्रमांक एक, क्रमांक 2 तथा क्रमांक 3 ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतदान दिवस के एक दिन पूर्व की तैयारी मतदान दलों को विभिन्न कार्यों के बारे में जानकारी बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट एवं वीवीपीएट के संचालन, इसका हैंड्स ओंन प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही विभिन्न प्रकार के लिफाफे प्रपत्रों आदि को भरने के बारे में प्रशिक्षण में बताया गया। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा बताया गया कि मॉक पोल में न्यूनतम 50 वोट डालना है तथा यह अभिकर्ताओं की उपस्थिति में कराया जाएगा। मतदान समाप्त होने के पश्चात पीठासीन अधिकारी द्वारा मतदान समाप्ति की घोषणा की जाएगी। मतदान समाप्ति के पश्चात क्लोज का बटन दबाना अनिवार्य है। तहसीलदार राकेश खजूरिया द्वारा मतदान कर्मियों को बताया गया कि मतदान की पूरी प्रक्रिया को गंभीरता से समझे। यदि कोई तथ्य समझ में नहीं आ रहा है तो मास्टर ट्रेनर से समस्या का समाधान कराएं।

नपा से पंजीकृत ऑर्किटेक्ट और इंजीनियर्स के साथ बैठक की

भवन अनुज्ञा को लेकर नपाध्यक्ष सख्त, तय समय सीमा में अनुमति देने के निर्देश

इटारसी देशबन्धु। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने नगरपालिका से भवन निर्माण के लिए मिलने वाली भवन अनुज्ञा की प्रक्रिया और उसमें लगने वाली संभावित फीस की डिटेल शहर के नागरिकों के लिए जारी की है। नगरपालिका अध्यक्ष कार्यालय से जारी खबर में वह हर चीज विस्तार से बताई है जो भवन निर्माण अनुज्ञा प्राप्त करने वाले व्यक्ति को पता होना चाहिए।

यह जानकारी जारी करने के पहले नगरपालिका अध्यक्ष श्री चौरे ने नगरपालिका से पंजीकृत ऑर्किटेक्ट और इंजीनियर्स के साथ बैठक की और उनसे राय ली। इसके अलावा नपा की भवन अनुज्ञा शाखा में कुछ फेरबदल भी किए। नवागत उपयंत्री मंयक अरोरा को मौजूदा उपयंत्री के स्थान पर चार्ज दिया गया है। बाकी पुरानी टीम ही काम करेगी। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि बैठक में सीएमओ रितु मेहरा सहित विभागीय टीम भी शामिल थी। श्री चौरे ने बताया कि हमने सभी ऑर्किटेक्ट व इंजीनियर्स को कहा कि वे उपभोक्ता को रसीद अवश्य दें और शहर के नागरिकों से भी अपील की है कि वह रसीद जरूर लें। इसके अलावा गलत फाइल नहीं लगाने की बात भी नपाध्यक्ष ने की है। नपाध्यक्ष ने अपनी विभागीय टीम से कहा कि वह समय सीमा कम से कम 15 दिन और

ऐसे समझें कितने लगते हैं भवन अनुज्ञा के लिए सरकारी फीस

घरेलू भवन अनुज्ञा 1000 वर्गफीट के लिए अनुमानित मलवा फीस 500 रुपये, यह फीस आपके जो निर्माण करने वाले हैं, उसकी सामग्री लाने में जो सड़क व अन्य चीजों का उपयोग करते हुए उसे नुकसान पहुंचाते हैं उसकी फीस। भवन निर्माण परमिशन फीस 1250 रुपये, वॉटर हार्वेस्टिंग फीस जीरो, फाइल पुटअप चार्ज 100 रुपये के आसपास लगती है। यानी कुल सरकारी फीस 1850 रुपये लगती है 1000 वर्गफीट प्लाट पर भवन अनुज्ञा के लिए। इसके अलावा आप जिस आर्किटेक्ट से कार्य करा रहे हैं उनकी फीस आपकी सुविधा अनुसार तय होती है, अनुमानित तौर पर 3000 से 5000 रुपये से फीस की शुरुआत होती है। परमिशन फीस हर प्लॉट एरिया के हिसाब से अलग अलग होती है।

1000 वर्ग फिट से ऊपर लगती है कर्मकार फीस

यदि 1000 वर्गफीट से अधिक बिल्ट अप एरिया या यूं समझें- आरसीसी स्लैब है तो 1 प्रतिशत प्रतिवर्ग मीटर फीस जमीन की कलेक्टर गाइड लाइन के हिसाब से लगेगी। यह कर्मकार फीस हर एक एरिया के लिए अलग अलग होती है। इसके अलावा वॉटर हार्वेस्टिंग फीस लगती है जो नक्शे के अनुसार यदि भवन बना लिया गया है भविष्य में तो वापस हो जाती है। यह फीस 1500 से 2100 वर्गफीट पर 7000 रुपये, 2100 से 3200 वर्गफीट तक 10000 रुपये, 3200 से 4200 वर्गफीट तक 12000 रुपये फीस लगेगी। 4200 वर्गफीट से ऊपर में 15000 रुपये फीस लगेगी।

कमर्शियल प्लॉट पर भवन अनुज्ञा इस तरह होगी

इसमें सरकारी फीस के अलावा कर्मकार फीस में कोई छूट नहीं है। यह 1 वर्गफीट बिल्ट अप से ही शुरु हो जाएगी। जो कि प्रति वर्गफीट 15 रुपये है जमीन की कलेक्टर गाईड लाइन के मुताबिक।

यदि मकान बना हुआ है और भवन अनुज्ञा लेनी है तो यह होता है

मकान बना हुआ है तो इसे कम्पाउंडिंग केस कहते हैं। यह तो टाइप के होते हैं। एक मकान बना है और वह सरकारी नियमों के मुताबिक बना है। और दूसरा मकान बना है लेकिन वह सरकारी नियमों को तोड़कर बना हुआ है। तो दोनों में फीस अलग अलग लगती है। यदि मकान नियम से बना है तो अनुमति फीस यानी 1250 रुपये का 5 गुना फीस लगती है, यानी 6250 रुपये। यह 1000 वर्ग फीट वाले प्लॉट पर सरकारी नियम से बने मकान पर बना होने पर। यदि मकान सरकारी नियम से नहीं बना है तो जमीन की कलेक्टर गाइड लाइन के हिसाब से फीस लगती है। इसे ऐसे समझें यदि नियम से 10 प्रतिशत ज्यादा हिस्से में बना है तो फीस प्लॉट की कलेक्टर गाइड लाइन के हिसाब से 5 प्रतिशत लगेगी। यदि 20 प्रतिशत ज्यादा हिस्से में मकान बना है तो फीस प्लॉट की कलेक्टर गाइड लाइन के हिसाब से 7.5 प्रतिशत लगेगी। यदि 30 प्रतिशत ज्यादा हिस्से में मकान बना है तो फीस प्लॉट की कलेक्टर गाइड लाइन के हिसाब से 10 प्रतिशत लगेगी। यहां यह भी समझें कि यह 5 प्रतिशत, 7.5 प्रतिशत और 10 प्रतिशत फीस के अलावा उक्त 1250 रुपये अनुमति फीस का 5 गुना तो देना ही होगा यानि की 6250 रुपये लगभग। नियम के मुताबिक 100 प्रतिशत हिस्से में यदि निर्माण है तो अनुमति नहीं दी जा सकती और 90 प्रतिशत की अनुमति मिल जाएगी।

यह भी समझना जरूरी

इटारसी जैसी नपा में फ्लोर एरिया रेसो एफएआर घरेलू के लिए 1.5 है और कमर्शियल के लिए यह 2.5 तक हो सकता है। यानी कि यदि आपका प्लाट 1000 वर्गफीट का है तो आप 1500 वर्गफीट बिल्ट अप एरिया में निर्माण कर सकते हैं, इसे ऐसे समझें आप प्रथम व द्वितीय तल या अन्य तल सभी मिलाकर 1500 वर्गफीट में निर्माण होना चाहिए। इससे अधिक के लिए आपको अतिरिक्त सरकारी फीस देते हुए एफएआर खरीदना पड़ेगा। उसके लिए आपको कलेक्टर गाइड लाइन से पैसा देना होगा।

अधिकतम 1 माह में नक्शा पास करके दें।

नगरपालिका में इस तरह होती है भवन अनुज्ञा

आर्किटेक्ट इंजीनियर- दस्तावेज तैयार करवाना

ए. रजिस्ट्री
बी. नया खसरा नकल
सी. नपा की वर्तमान टैक?स रसीद
डी. आधार कार्ड
ई. शपथ पत्र, जिसमें नपा की शर्तें लिखी होती हैं, यदि नजूल का पटटा है तो उक्त सारी चीजों के अलावा
एफ. नजूल का पटटा
आई. टैक्स आईडी जो नपा से मिलती है

स्टेप 1 - कॉलोनी सेल सीसी

इसमें नपा के अफसर दस्तावेज चेक करती है

इसमें भवन अनुज्ञा शाखा बाबू, उनके बाद बिल्डिंग क्लर्क और अंत में सीएमओ दस्तावेज के साथ प्लाट का वैरीफिकेशन करते हैं कि दस्तावेज सही हैं, नपा टैक्स जमा हो गया और प्लॉट अवैध कॉलोनी में तो नहीं है।

स्टेप 2 . बिल्डिंग इंस्पेक्टर बीआई

यह पहले साइड विजिट करेंगे, जिसमें देखेंगे कि प्लाट खाली है या पुराना कोई निर्माण तो नहीं है। यदि निर्माण है तो उसकी पुरानी अनुज्ञा जांच होगी। इसके अलावा बिजली का खम्बा, जिंदा पेड़, जिंदा कुंआ, हेंडपंप, धर्म स्थल है तो भले ही वह निजी भूमि पर हो लेकिन आसपास के नागरिक आते जाते हो वहां। यदि उन्हें सबकुछ ओके मिलता है तो अगली स्टेप आती है।

स्टेप 3 . बिल्डिंग ऑफीसर बीओ

नक्शे और कलेक्टर गाइड लाइन के मुताबिक फीस कितनी लगेगी, यह डिमांड नोट जनरेट करेंगे।

स्टेप 4 . डिमांड नोट यानी फीस जनरेट होने के बाद भवन अनुज्ञा लेने वाला प्लाट या भवन मालिक अपने आर्किटेक्ट के साथ एबी पास पोर्टल पर ऑनलाइन फीस जमा कर देगा।

स्टेप 5. सीएमओ फीस रसीद चेक करते हैं और डिजिटल सिग्नेचर कर भवन अनुज्ञा अप्रूब करते हैं।

नोट- यदि सरकारी छुटिटयां न हो तो प्रत्येक स्टेप में तीन दिन का वक्त लगता है।

मुख्यमंत्री ने खरगोन में विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया, कहा-

जिसके पास रहने की जमीन नहीं, उन्हें पट्टा दिया जाएगा

बाढ़ से हुए नुकसान का होगा सर्वे

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोई भी व्यक्ति बिना जमीन का नहीं रहेगा। जिनके पास रहने की जमीन नहीं है उन्हें जमीन का पट्टा देकर मालिक बनाया जाएगा। हमारी सरकार ने किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण देने की व्यवस्था की है। किसानों को केन्द्र और प्रदेश सरकार मिलकर 01 साल में 12 हजार रुपये दे रही है। किसानों की सुविधा के लिए ट्रांसफार्मर अनुदान पर रखने की योजना प्रारंभ की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज खरगोन में किसान एवं लाड़ली बहना सम्मेलन में उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने खरगोन जिले के 3673 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया। उन्होने कहा कि जनता की सेवा के लिए सरकार के पास बजट की कोई कमी नहीं है। सरकार आम जनता की जिंदगी बदलने के लिए प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि लाड़ली बहना योजना बनाकर सरकार ने महिलाओं की जिंदगी बदलने का काम किया है।

शादी नहीं होने कारण जो बहनें इस योजना में छूट गई है उन्हें भी इसका लाभ दिलाया जाएगा। इस योजना से माह की 10 तारीख को लाड़ली बहना दिवस बना दिया है और बहनें हर माह इस तारीख का इंतजार करती है। अभी इस योजना में 1250 रुपये की राशि दी जा रही है। इसे बढ़ाकर 03 हजार रुपये तक किया जाएगा। हमारा लक्ष्य बहनों की आमदनी स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 10 हजार रुपये प्रतिमाह करने का है। लाड़ली बहनों के लिए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना प्रारंभ की गई है और उसमें बहनों का पंजीयन प्रारंभ हो गया है। अगले 03 साल में इस योजना में सभी बहनों के मकान बना दिए जाएंगे। उज्ज्वला योजना की हितग्राही महिलाओं और लाड़ली बहनों को 450 रुपये में गैस सिलेंडर देने का इंतजाम कर दिया है। अगले माह से बहनों को 450 रुपये में गैस सिलेंडर मिलना प्रारंभ हो जाएगा।

खरगोन जिले में पिछले दिनों आयी बाढ़ की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बाढ़ से हुए नुकसान का सर्वे किया जाएगा और नुकसान की भरपाई की जाएगी। जिन लोगों के मकान टूट गए हैं या डूब में आ गए हैं उन्हें भी मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के लिए प्रदेश सरकार ने कोई कसर बाकी नहीं रखी है तो वे भी इस बात का ध्यान रखे कि बाढ़ से प्रभावित किसानों और आम लोगों के सर्वे में किसी तरह की लापरवाही न हो।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन के पशुपालन मंत्री प्रेमसिंह पटेल, खरगोन-बड़वानी सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल, खण्डवा-बुरहानपुर सांसद ज्ञानेश्वर पाटील, राज्यसभा सदस्य सुमेरसिंह सोलंकी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनुबाई तंवर, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी, पूर्व विधायक बालकृष्ण पाटीदार, बाबूलाल महाजन, आत्माराम पटेल, जमना सिंह सोलंकी, राजेन्द्र सिंह राठौर, विमुक्त घुमक्कड एवं अर्द्ध घुमक्कड़ आयोग के अध्यक्ष बाबूलाल बंजारा, इंदौर संभाग के कमिश्नर माल सिंह, कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा, पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती ज्योति शर्मा सहित अन्य गणमान्य अतिथि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

कांग्रेस प्रवक्ता ने आदिवासी और महिला अत्याचारों पर सरकार को घेरा , बोलीं

जन आक्रोश यात्रा से भाजपा की उल्टी गिनती शुरू

भोपाल,देशबन्धु। अखिल भारतीय कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. रागिनी नायक ने कहा कि जनआक्रोश यात्रा से भाजपा की उल्टी गिनती शुरू होती जा रही है। उन्होंने भाजपा के 18 साल के शासन को कुशासन बताया। डॉ. रागिनी ने भाजपा सरकार पर आदिवासी विरोधी और महिला विरोधी होने के आरोप भी लगाए। डॉ. नायक ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता मैं शिवराज जी से पूछना चाहती हूं कि आपकी सरकार आदिवासी विरोधी क्यों है?

उन्होंने यहां प्रदेश में आदिवासियों के साथ घटित घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा जनसंख्या आदिवासियों की है, लेकिन आदिवासियों पर हो रही घटनाओं में प्रदेश सबसे अव्वल नबर पर है। उन्होंने कहा कि यह शिवराज सिंह चौहान की सरकार का प्रदेश है, जहां भाजपा आदिवासियों को वनवासी कहती है, क्योंकि वह चाहती है, वह वन तक ही सीमित रहें, जंगलों में ही विचरते रहें। जबकि आदिवासी ही जंगलों और वनों का असली मालिक है।

डॉ. रागिनी ने कहा कि अनूपपुर में भाजपा मण्डल अध्यक्ष द्वारा गोंड आदिवासी को चप्पलों से पीटा गया, देवास के नेमावर में आदिवासी परिवार के 5 सदस्यों को जमीन में गाड़ दिया गया, महू में आदिवासी युवती से गैंगरेप हुआ, हरदा में एक आदिवासी युवक को ट्रेक्टर से बांध कर पीटा गया, नीमच में गाड़ी से बांधकर धसीटा गया, गुना में आदिवासी महिला को जिंदा जलाया गया, देवास में एक महिला को पीटा और जूते की माला पहनाकर घुमाया गया, मंडला में 3 आदिवासियों की हत्या की गई, महिला आदिवासी का सिर काटा गया, खरगोन में पुलिस कस्टडी में एक आदिवासी की मौत सहित आदिवासियों पर अत्याचार की ऐसी कई घटनाएं है।

महिला अत्याचारों पर डॉ. रागिनी ने कहा कि उज्जैन की निर्मम घटना के जख्म भी अभी भरे नहीं और आज फिर एक खबर कटनी के पहाड़ी नाले में एक आदिवासी युवती की लाश क्षतविक्षत अवस्था में मिली, उसका सिर पत्थर से कुचला गया, उसके साथ दुष्कर्म की घटना हुई। परिजन युवती की गुमशुदगी की एफआईआर के लिए 3 दिन तक चक्कर काटते रहे, लेकिन प्रशासन ने पीड़ित परिवार की कोई सुध नहीं ली।

अस्पताल पहुंचकर डॉक्टरों से मिले सुरजेवाला पीड़िता का हाल जाना

कांग्रेस देगी पीड़िता को 5 लाख की आर्थिक सहायता

भोपाल, देशबन्धु। उज्जैन दरिंदगी का शिकार हुई 12 साल की मासूम का हाल जानने आज कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला अस्पताल में पहुंचे, लेकिन यहां पीड़िता से मिलने की इजाजत नहीं मिलने पर उन्होंने डॉक्टरों से बात की। डॉक्टरों ने उन्हें पीड़िता के इलाज के संबंध में जानकारी दी। वहीं श्री सुरजेवाला ने कहा कि पीड़िता के लिए कमलनाथ ने पार्टी की ओर से पीड़िता को 5 लाख की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है। इसके अलावा भी जो मदद हो सकेगी, वो कांग्रेस करेगी। साथ ही उन्होंने प्रदेश सरकार के रवैये पर भी सवाल खड़े किए हैं।

श्री सुरजेवाला ने कहा कि प्रदेश में बेटियां असुरक्षित हैं और जब तक भाजपा का शासन रहेगा बेटियां असुरक्षित रहेंगी। उन्होंने इस घटना पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह पर मौन रहने का आरोप लगाते हुए हैरानी जताई। कांग्रेस महासचिव सुरजेवाला ने कहा कि सरकार और पुलिस द्वारा सतना की इस दलित परिवार की बेटी को कभी भिखारी बताया गया तो कभी उत्तरप्रदेश की रहने वाली बताया गया। शासन प्रशासन पर सवाल उठाते हुए श्री सुरजेवाला ने पूछा कि आखिर ये बच्ची सतना से उज्जैन तक कैसे आई। सतना में 25 सितम्बर को एफआईआर दर्ज होने की जानकारी किसी को नहीं है। लड़की के पिता 24 सितम्बर को सतना के थाने में एफआईआर दर्ज कराने गए, लेकिन उस दिन एफआईआर क्यों दर्ज नहीं की गई। कांग्रेस महासचिव सुरजेवाला ने इस मामले में कई अपराधी होने की आशंका भी जताई।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने किए सवाल, पूछा

राहुल बताएं पुराने वायदों का क्या हुआ?

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रदेश यात्रा पर आ रहे राहुल गांधी को झूठ की नई गारंटी देने से पहले यह बताना चाहिए कि पुराने वायदों का क्या हुआ? उन्होंने पत्रकार वार्ता में सवाल किया कि श्री गांधी ने 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले जनता से कई वादे किए थे। चुनाव के समय उन्होंने कहा था कि किसानों का 2 लाख रुपए तक का कर्ज माफ करेंगे, युवाओं को 4 हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता देंगे, बहनों को गैस सिलेंडर पर सौ रुपए माफ करेंगे। कन्यादान योजना की राशि बढ़ाकर 51 हजार रुपए किए जाने की बात भी कांग्रेस ने कही थी। राहुल गांधी ने कहा था कि 10 दिनों में अगर वादे पूरे नहीं हुए, तो मुख्यमंत्री बदल देंगे। श्री शर्मा ने पूछा कि इनमें से कौन सा वादा प्रदेश की 15 महीने के लिए बनी कांग्रेस की सरकार ने पूरा किया है? राहुल गांधी पहले यह बताना चाहिए कि कांग्रेस के पुराने वादों का क्या हुआ? भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के झूठे वादों के कारण प्रदेश के जो किसान डिफाल्टर हो गए थे, उन्हें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने 2 हजार 2 सौ करोड़ भरकर दिवालिया घोषित होने बचाया, ताकि उनका सम्मान बहाल हो सके।

श्री शर्मा ने 15 महीने की कमलनाथ सरकार को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा चलाए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार पर भ्रष्ट होने का भी आरोप लगाया। इस दौरान उन्होंने पूर्व मंत्री उमंग सिंगार के अप्रत्यक्ष रूप से पूर्व मुख्यमंत्री पर लगाए गए आरोपों का भी हवाला दिया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कमलनाथ सरकार के वरिष्ठ मंत्री डॉ.गोविंद सिंह के आरोपों का जिक्र भी पत्रकारों से चर्चा में किया। श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री कमलनाथ के पीए मिगलानी और मि. कक्कड़ के यहां जब छापे पड़े तो उनके यहां से 81 करोड़ रुपए बरामद हुए थे। उन्होंने कहा कि तब राहुल कहां थे? क्यों उन्होंने एक बार भी मध्यप्रदेश की तरफ पलटकर नहीं देखा?

महिला सशक्तिकरण का एक नया अध्याय रचा गया: माया

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया नारोलिया ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से मंजूरी मिलने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देते हुए कहा कि अब यह अधिनियम कानून बन गया है। उन्होंने कहा कि इस कानून के लागू होने पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। यह कानून लैंगिक न्याय के लिए हमारे समय की सबसे परिवर्तनकारी क्रांति है। प्रधानमंत्री ने पूरी दुनिया को लिंग समानता का सकारात्मक संदेश देते हुए महिला आरक्षण बिल लागू करने का कदम उठाया है। जिसके मुताबिक लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत रिजर्वेशन लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'इस धरती के संसाधनों पर महिलाओं का भी हक है। महिलाओं को भी सुख से जीने का अधिकार है और सुख से जीने का साधन भाजपा सरकार दे रही है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने दी नारी शक्ति वंदन अधिनियम को मंजूरी

महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें होंगी आरक्षित

नई जनगणना व परिसीमन के बाद लागू होगा आरक्षण

नई दिल्ली, देशबन्धु। हाल ही संसद के विशेष सत्र के दौरान पारित कराए गए महिला आरक्षण विधेयक (नारी शक्ति वंदन विधेयक) को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है। इसके बाद सरकार ने इसको लेकर एक गजट अधिसूचना जारी कर दी है। यह विधेयक 20 सितम्बर को लोकसभा और 21 सितम्बर को राज्यसभा से पारित हुआ था। विधेयक पर हस्ताक्षर करने के बाद राष्ट्रपति ने कहा कि यह लैंगिक समानता के लिए हमारे समय का क्रांतिकारी कदम होगा। संविधान के मुताबिक, जब कोई विधेयक संसद से पारित हो जाता है तो उसे मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा जाता है। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद ही वह विधेयक कानून का रूप धारण कर पाता है।

बता दें कि विधेयक के कानून बन जाने के बाद लोकसभा और विधानसभा के चुनाव में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण मिलने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि इसे लागू करने में अभी पेंच फंसा हुआ है। सरकार ने जहां कहा है कि यह कानून जनगणना और परिसीमन के बाद ही लागू हो पाएगा। वहीं विपक्ष ने एससी-एसटी की तरह ही विधेयक में ओबीसी महिलाओं के लिए भी कोटा में कोटा की मांग करके चुनावी साल में सरकार की परेशानी बढ़ा दी नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू होने के बाद लोकसभा की 543 सीटों में से 181 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। यह आरक्षण 15 साल तक रहेगा। इसके बाद संसद चाहे तो इसकी अवधि बढ़ा सकती है। आरक्षण सीधे चुने जाने वाले जनप्रतिनिधियों के लिए लागू होगा। यानी राज्यसभा और राज्यों की विधान परिषद दायरे में नहीं आएंगी। सरकार ने 18 से 22 सितम्बर तक संसद का विशेष सत्र बुलाया था। इसका एजेंडा नहीं बताया गया था, इसको लेकर विपक्ष ने आलोचना भी की थी। 18 सितम्बर की रात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की मीटिंग बुलाई।

मीटिंग के बाद कोई प्रेस ब्रीफिंग नहीं की गई। अंदरखाने से खबर आई कि सरकार 19 सितम्बर को लोकसभा में महिला आरक्षण बिल ला सकती है। बात सही निकली। 19 सितम्बर को सरकार ने लोकसभा में नारी शक्ति वंदन बिल पेश कर दिया। 20 सितम्बर को लोकसभा में बिल पर 7 घंटे चर्चा हुई। इसमें 60 सांसदों ने भाग लिया। शाम को पर्ची से हुई वोटिंग में बिल पास हो गया। समर्थन में 454 और विरोध में 2 वोट डले। महिला आरक्षण से संबंधित 128वां संविधान संशोधन विधेयक 21 सितम्बर को राज्यसभा में पारित किया गया था। बिल के पक्ष में 214 वोट पड़े, जबकि किसी ने भी बिल के खिलाफ वोट नहीं डाला था। इससे पहले 20 सितम्बर को विधेयक को लोकसभा से मंजूरी मिल गई थी। लोकसभा ने भी इस बिल को दो तिहाई बहुमत के साथ पास किया था। इसके पक्ष में 454 और विरोध में दो वोट पड़े थे।

अमल में लाने के लिए पूरी करनी होंगी यह शर्तें

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह कानून भी बन गया है, लेकिन इसको अमल में लाने से पहले दो शर्तों को पूरा करना होगा। ये शर्तें जनगणना और परिसीमन की हैं जिन्हें पूरा करने में कई साल लग सकते हैं। नारी शक्ति वंदन कानून के प्रभावी होने की दो शर्तें रखी गईं हैं। इसके मुताबिक महिला आरक्षण कानून आगामी जनगणना के बाद लागू होगा। कानून बनने के बाद होने वाली जनगणना के बाद आरक्षण लागू करने के लिए नए सिरे से परिसीमन होगा। परिसीमन के आधार पर ही महिलाओं के लिए 33 फीसदी सीटें आरक्षित की जाएंगी।

इंडिया गठबंधन की पहली रैली पटना में संभव

नई दिल्ली, देशबन्धु। विपक्षी गठबंधन इंडिया की पहली रैली भोपाल के लिए तय हुई थी। लेकिन कांग्रेस नेता कमलनाथ के ऐतराज के बाद इसे स्थगित कर दिया गाया था। अब माना जा रहा है कि इंडिया की पहली बैठक की तरह ही पहली रैली भी बिहार की राजधानी पटना में हो सकती है। इसे अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में आयोजित किए जाने की चर्चा है। हालांकि अभी औपचारिक कार्यक्रम का ऐलान होना बाकी है। सूत्रों के मुताबिक इंडिया गंठबंधन के नेता अपनी रैलियों की शुरुआत पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान से कर सकते हैं। जो पूर्व में भी सत्ता परिवर्तन का गवाह रहा है। बताया जा रहा है कि इसको लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, सीपीएम नेता सीताराम येचुरी और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के बीच बातचीत हो चुकी है। हालांकि अभी कांग्रेस सहित अन्य सहयोगी दलों की सहमति मिलना बाकी है। फिर भी चर्चा है कि पांच शहर, पांच रैली और पांच एजेंडा के तहत पहली रैली अक्टूबर कीआखिर में पटना में होगी। इसके अलावा अन्य चार रैलियां नागपुर, चेन्नई, गोहाटी और दिल्ली में हो सकती हैं। दिल्ली की रैली को ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित करने की तैयारियां चल रही हैं। हालांकि अभी पांच एजेंडा क्या होगा, इस पर कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

दानिश अली ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, कहा-

संसद प्रकरण में चुप्पी तोड़ें मोदी

नई दिल्ली, देशबन्धु। बहुजन समाज पार्टी के नेता कुंवर दानिश अली ने लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी सांसद रमेश बिधुड़ी मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चुप्पी तोड़ने का आग्रह करते हुए कहा कि जल्द से जल्द जवाबदेही तय की जानी चाहिए। अमरोहा से लोकसभा सांसद दानिश अली ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लोकसभा में जो प्रकरण हुआ उसके आठ दिन बीत जाने के बावजूद अभी तक कोई कार्रवाई का नामोनिशान नहीं दिखा दे रहा है यह हैरान और परेशान करने वाला है। इसके विपरीत उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से जन से मारने की धमकियां दी जा रही है। यह क्या हो रहा है इस देश में। उन्होंने कहा कि सदन के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उन्होंने खत लिखा है। प्रधानमंत्री सदन के नेता हैं इसलिए उनकी जिम्मेदारी अधिक बनती है। बापू के देश में जिस प्रकार लिंचिंग की घटनाएं हो रही है उससे दुनिया को हम क्या संदेश दे रहे हैं।

बसपा सांसद ने मोदी को लिखे पत्र में कहा है कि उनकी जान को खतरा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि इस तरह के व्यवहार की सार्वजनिक तौर पर निंदा करने से संसदीय कार्यवाही के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की आपकी प्रतिबद्धता का पता चलेगा। मोदी को पत्र लिखकर कहा आपके तरफ से कम से कम बयान तो आना चाहिए की लोकतंत्र के मंदिर में हम बैठते हैं इसमें जो घटना हुई उसकी निंदा करें। पीएम का बयान ना आना उन लोगों के लिए जो लोकतंत्र में यकीन रखते हैं उनके लिए अफ सोस की बात है। उन्होंने प्रधानमंत्री से यह आग्रह भी किया कि वह सदन के भीतर मर्यादा और आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के महत्व की याद दिलाने से जुड़ी अपील करें। 'चंद्रयान-3 की सफलता और अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां विषय पर लोकसभा में चर्चा के दौरान गत 21 सितंबर को बिधूड़ी ने अली के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था।

पुण्यस्मरण

श्रीमंत माधवराव सिंधिया जी

(जन्म : 10 मार्च 1945 - स्वर्गवास : 30 सितम्बर 2001)

लिए साथ आशा की किरणें और सफलता का विश्वास,
चला गया वो राह बना कर सबके जीवन में भर प्रकाश।

प्रेरणामयी व्यक्तित्व को
शत् शत् नमन्

सिंधिया स्कूल, द फोर्ट, ग्वालियर (स्थापना-1897)
सिंधिया कन्या विद्यालय, ग्वालियर
ए.एम.आई. शिशु मन्दिर, ग्वालियर
माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, ग्वालियर
ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन, ग्वालियर

ATUL

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।